राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार 08 दिसंबर 2023 वर्ष–6, अंक–313 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'ममता बनर्जी का ठुमका लगाना ठीक नहीं', गिरिराज सिंह के इस बयान पर हंगामा; महुआ ने भी किया पलटवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी को लेकर बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की भागीदारी की आलोचना की। आपको बता दें कि इस दौरान ममता बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ थिरकती दिख रही हैं। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि फिल्म फेस्टिवल में ममता बनर्जी का ठुमका लगाना उचित नहीं है। उनके इस बयान की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा सहित तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने कड़ा विरोध किया है। टीएमसी नेताओं के द्वारा उनकी आलोचना पर गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्होंने जश्न शब्द का इस्तेमाल किया था, न कि ठुमका का। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब पश्चिम बंगाल भ्रष्टाचार से ग्रस्त है तो फिल्म महोत्सव मनाने के लिए ममता बनर्जी की आलोचना करना गलत नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा, टीएमसी नेता मेरी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल ने वीडियो साझा किया जिसमें गिरिराज सिंह साफ शब्दों में कह रहे हैं कि ममता बनर्जी का वहां जाना और ठुमका लगाना ठीक नहीं है। इस दौरान वह अपने शरीर के हावभाव से भी ठुमका शब्द को परिभाषित करते दिख रहे हैं। टीएमसी ने लिखा, इस वीडियो साक्ष्य से पता चलता है कि वह न केवल ठुमका शब्द दो बार बोल रहे हैं, बल्कि ऐसे इशारे भी कर रहे हैं जिससे गलत व्याख्या की कोई गुंजाइश नहीं है। उनका इनकार शर्मनाक है। वह बेशर्मी से इसका बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी ने आगे कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के दीदी ओ दीदी नारे के बाद, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बीजेपी के उन नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ममता बनर्जी के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। यह स्पष्ट है कि बीजेपी नेताओं के लिए सत्ता में एक महिला को चुनौती देना अविश्वसनीय रूप से कठिन है। उनके इन बयानों से लैंगिक पूर्वाग्रहों से घिरी उनकी पुरातन मानसिकता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो रही है। लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री के खिलाफ गिरिराज सिंह के शब्द चौंकाने वाले हैं।

दिल्ली में बीजेपी संसदीय दल की बैठक

मोदी बोले- तीन राज्यों में जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा, मिजोरम-तेलंगाना में ताकत बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की आज संसद भवन परिसर में संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई मंत्री-नेता मौजूद रहे। सबसे पहले तीन राज्यों में भाजपा की धमाकेदार जीत के लिए नेताओं ने पीएम मोदी का स्वागत किया। नेताओं ने मोदी जी का स्वागत है के नारे भी लगाए। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि पीएम मोदी ने तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में साइक्लोन के चलते हुए नुकसान को लेकर बात की। पीएम ने ये भी कहा कि भाजपा को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अच्छी जीत मिली ही, तेलंगाना और मिजोरम में भी हमारी स्ट्रेंथ बढ़ी है। तीन राज्यों में जीत हमारी सामूहिक जीत है, कार्यकर्ताओं की जीत है।

सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के लिए मुख्यमंत्री पद के दावेदारों पर चर्चा की संभावना जताई गई थी, हालांकि अब तक इससे जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई। कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा इस बार युवा चेहरों को सत्ता की बागडोर दे सकती है।

इससे एक दिन पहले ही विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कराने वाले भाजपा के 12 सांसदों में से 10 ने लोकसभा सांसद पद से इस्तीफा दिया था। राजस्थान से चुनाव जीतने वाले महंत बालकनाथ ने अभी इस्तीफा नहीं दिया है।

संसद सदस्यता छोड़ने वालों में मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक हैं। वहीं छत्तीसगढ़ से अरुण साव और गोमती साय, जबकि राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा शामिल हैं।

राजस्थान में सीएम पद को लेकर असमंजस

राजस्थान बीजेपी में यह पहला मौका है, जब मुख्यमंत्री को लेकर असमंजस बना है। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। बीजेपी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके ही चुनाव लड़ती रही है, इसलिए कभी नतीजे आने के बाद असमंजस नहीं हुआ। पहले भैरोंसिंह शेखावत बीजेपी के सीएम चेहरे हुआ करते थे। 2003, 2008, 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों में वसुंधरा राजे पहले से सीएम चेहरा घोषित थीं, इसलिए असमंजस नहीं हुआ था।

वहीं बुधवार देर रात पूर्व सीएम वसुंधरा राजे दिल्ली पहुंचीं। रात करीब साढ़े 10 बजे वे जयपुर एयरपोर्ट से निकली थीं। बताया जा रहा है कि वे गुरुवार को संगठन के नेताओं से मुलाकात करेंगी। हालांकि दिल्ली बुलाने के कयासों के बीच वसुंधरा ने एयरपोर्ट पर कहा- मैं बहू से मिलने जा रही हूं।

मध्य प्रदेश में ष्टरू बनने की रेस में शिवराज के साथ 5 बड़े नेता

मध्य प्रदेश संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट में शिवराज सिंह चौहान के बाद नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा के नाम लिए जा रहे हैं। हालांकि, शिवराज सिंह के बाद वीडी शर्मा ने भी कहा है कि वे सीएम की रेस में नहीं हैं।

सड़क हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेंगे 2000 रुपये

पंजाब में फरिश्ते योजना होगी शुरू

चंडीगढ़। पंजाब में सड़क हादसों में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने वाले को राज्य सरकार सम्मान के तौर पर 2000 रुपये देगी। व्यक्ति से पुलिस या अस्पताल प्रशासन तब तक कोई पूछताछ नहीं करेगा जब तक वह खुद चश्मदीद गवाह न बनना चाहे। यह घोषणा पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने की। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विकास परियोजनाओं की समीक्षा के लिए बुलाई बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार फरिश्ते स्कीम शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस योजना के अंतर्गत हादसे के पहले 48 घंटों तक घायल हुए लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा, भले ही वह किसी भी राज्य का निवासी हो। सरकार सड़क हादसों के शिकार लोगों को निजी अस्पतालों समेत नजदीक के सरकारी अस्पतालों में फ्री इलाज मुहैया करवाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को राज्य में स्थापित किए जा रहे सभी पांच नए मेडिकल कॉलेजों के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने मोहाली स्थित पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलीरी साइंसज में स्थापित की जा रही अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक और मैनेजमेंट सुविधा का जायजा भी लिया।

'मरीज सुविधा केंद्र' स्थापित करने की तैयारी–स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार इलाज के लिए आने वाले लोगों की मदद और सही मार्गदर्शन के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में 'मरीज सुविधा केंद्र' स्थापित करने की तैयारी में है। ऐसा एक केंद्र राजिंदरा अस्पताल पटियाला में पायलट आधार पर स्थापित किया जा रहा है।

इन योजनाओं पर जारी है काम-बैठक में डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि तीन सरकारी अस्पतालों-एमसीएच धूरी अस्पताल, सीएचसी कौहरियां और चीमा अस्पताल को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं, एकीकृत पब्लिक हेल्थ लैब, क्रिटिकल केयर ब्लॉक समेत मेडिकल प्रोजेक्टों को अपग्रेड किया जा रहा है। जल्द सभी जिला अस्पतालों, सब-डिवीजन अस्पतालों और कम्युनिटी हेल्थ सेंटरों में एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। 19 जिला अस्पतालों, छह सब-डिवीजन अस्पतालों और 15 कम्युनिटी हेल्थ सेंटरों समेत 40 अस्पतालों को 550 करोड़ रुपये की लागत से अति-आधुनिक सुविधाओं और उपकरणों के साथ अपग्रेड किया जा रहा है।

राम मंदिर उद्घाटन का आमंत्रण कार्ड ही काफी नहीं

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के शुभारंभ समारोह और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयारियां तेज हैं। रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होने वाला है। इस समारोह के लिए देश के VVIP को न्योता गया है। समारोह के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। आम हो या खास किसी को भी समारोह में ऐसे ही एंट्री नहीं मिलेगी। ट्रस्ट के मुताबिक समारोह से पहले आमंत्रित लोगों के साथ एक लिंक भी साझा किया जाएगा। ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने बताया कि एक बार जब वे लिंक के साथ पंजीकृत हो जाते हैं, तो एक बार कोड उत्पन्न हो जाएगा। यह बार कोड प्रवेश पास के रूप में कार्य करेगा।

सचिन तेदुलकर व विराट कोहली भी मेहमान

22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश विदेश के मेहमान आमंत्रित किए गए हैं। खास तौर पर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, व विराट कोहली को न्योता भेज दिया गया है। तीर्थ क्षेत्र इस दौरान कुल 7 हजार मेहमानों को आमंत्रित किया है। तीर्थ क्षेत्र ने 25 हजार मेहमानों के रुकने की व्यवस्था कर रहा है। महासचिव चंपत राय कहते हैं कि हमें नहीं मालूम है कि कितने लोग आएंगे। एक लाख आएंगे कि दस लाख। लेकिन कोशिश रहेगी कि कोई ठंड में परेशान न हो।

राममंदिर का ध्वज दंड 44 फिट ऊंचा

राममदिर के भूतल व प्रथम तल का निर्माण दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा। बताया जाता है कि पूरा मंदिर दिसंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा। शिखर निर्माण के बाद उसके ऊपर एक ध्वज दंड लगाया जाना है। 44 फिट ऊंचे इस ध्वज दंड को पीतल से बनाया जा रहा है। इसे अहमदाबाद के अंबिका इंजीनियरिंग के कारीगर तैयार कर रहे हैं। इसे शास्त्रों की विधि से तैयार किया जा रहा है। इसका वजन 5500 किलो है।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पर लिखी किताब में हुए राहुल गांधी को लेकर कई खुलासे

कांग्रेस नेता बोले- भाजपा उन्हें बदनाम कर रही

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेसी नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पर किताब लिखी है। इस किताब में शर्मिष्ठा ने अपने पिता के हवाले से कई खुलासे किए गए हैं।

शर्मिष्ठा मुखर्जी द्वारा अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी पर लिखी किताब में राहुल गांधी के बारे में भी कई खुलासे किए गए हैं। शर्मिष्ठा की किताब पर अब पार्टी नेता विजय वडेट्टीवार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रणब मुखर्जी एक वरिष्ठ नेता थे और कांग्रेस ने उनकी क्षमताओं के साथ न्याय किया।

अब शर्मिष्ठा जी ने ऐसा क्यों कहा? भाजपा का हमेशा किसी तीसरे व्यक्ति का उपयोग करके किसी व्यक्ति को बदनाम करने का गुप्त एजेंडा होता है।

राहुल गांधी एक ईमानदार छवि वाले नेता हैं। ये लोग (बीजेपी) हमेशा राहुल गांधी से डरते हैं। एक रणनीति के तहत वे (बीजेपी) शर्मिष्ठा जी जैसी किसी शख्स का इस्तेमाल कर राहुल जी को बदनाम कर रहे हैं।

तय है कमलनाथ की विदाई ? कांग्रेस में भी होने लगा विरोध; मल्लिकार्जुन खरगे ने दिए संकेत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस की करारी हार हुई है। अब खबर है परिणामों के चलते प्रदेश अध्यक्ष और दिग्गज नेता कमलनाथ पार्टी के नेताओं के निशाने पर आ गए हैं। कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तो ये संकेत दे दिए हैं कि पार्टी के कई नेता नहीं चाहते कि कमलनाथ प्रदेश की कमान संभालें। हालांकि, पहले ही संभावनाएं जताई जाने लगी थीं कि 77 वर्षीय नेता जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। मामले के जानकार लोग बता रहे हैं कि खरगे ने भी एमपी में कांग्रेस के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की है। जानकारों के मुताबिक, मंगलवार के ही नाथ ने खरगे और वायनाड सांसद राहुल गांधी से दिल्ली में मुलाकात की है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि बैठक के दौरान खरगे ने कहा कि पार्टी में एक आम राय बन रही है कि अब कमलनाथ को एमपी प्रमुख के पद पर नहीं बने रहना चाहिए। नाम न छापने की शर्त पर एक नेता ने कहा, अब यह देखा जाना बाकी है कि वह अभी इस्तीफा देते हैं या इसमें कुछ समय लगेगा। लेकिन आलाकमान ने साफ कर दिया है कि उन्हें पद छोड़ना ही होगा। खास बात है कि कांग्रेस का यह एक दशक में सबसे खराब प्रदर्शन है। पार्टी 230 में से महज 66 सीटें ही अपने नाम कर सकी थी। जबकि, 2018 में चुनाव गंवाने वाली भारतीय जनता पार्टी के खाते में 163 सीटें आईं।

क्यों हारी कांग्रेस?

कांग्रेस के कई केंद्रीय और प्रदेश स्तर के नेता पार्टी के प्रचार अभियान पर भी सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि प्रदेश में ज्यादा समय व्यक्तिगत टिप्पणियों में ही निकल गया। नाम न छापने की शर्त पर एक वरिष्ठ नेता ने कहा, कांग्रेस ने महिलाओं के लिए, छात्रों को मुफ्त शिक्षा जैसी कई घोषणाएं की, जिनका हमें फायदा रहो सकता है। ऐसा लगता है कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने नकारात्मक प्रचार पर ज्यादा समय बिताया।

अब एक नेता का कहना है कि एमपी में कुछ जवाबदेही होनी चाहिए। जबकि, एक का तर्क था कि राज्य में युवा नेतृत्व को बढ़ावा मिलना चाहिए। वह इसके लिए तेलंगाना का हवाला देते हैं। 2014 में गठन के बाद तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (पहले टीआरएस) ने पहली बार सत्ता गंवाई है। दक्षिण भारतीय राज्य में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल की। यहां रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं।

वहां रेप और हत्या होती है, मंदिर जाना बंद कर दो; आप नेता के वायरल वीडियो पर हंगामा

नई दिल्ली। विवादित धार्मिक टिप्पणी को लेकर मंत्री पद गंवा चुके आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राजेंद्र पाल गौतम के बोल पर एक बार फिर हंगामा खड़ा हो गया है। आप विधायक का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दलितों को मंदिर ना जाने की सलाह देते दिख रहे हैं। इस वीडियो को लेकर भाजपा ने एक बार फिर अरविंद केजरीवाल सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है। हालांकि, हिन्दुस्तान इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

वायरल वीडियो में राजेंद्र पाल गौतम दलितों को मंदिर ना जाने की सलाह देते सुनाई दे रहे हैं। वह कहते हैं कि वह इज्जत लूटी जाती है और कत्ल होता है। वह कहते हैं, आप ऐसी चीजों में भरोसा मत करो जो आपको नुकसान पहुंचाती हो। एक बात बताइए अगर कहीं मंदिर में जाने से हमारे लोगों (दलितों) की हत्या होती हो। अगर मूर्ति छू लेने से हमारे युवाओं की हत्या हो रही हो, तो आप ऐसे जगह क्यों जाते हो जहां आपका अपमान हो, जहां आपकी-बहन बेटी की इज्जत लूटी जाए जहां आपका कत्ल कर दिया जाए। जहां अपमान हो वहां जाना बंद करो। यह साफ नहीं है कि यह वीडियो कहां का है और गौतम ने किस संदर्भ में ये बातें कहीं। राजेंद्र पाल गौतम या आम आदमी पार्टी की तरफ से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

भाजपा ने कहा- पार्टी से किया जाए बाहर

राजेंद्र पाल गौतम का वीडियो वायरल होने पर

वायरल वीडियो में राजेंद्र पाल गौतम दलितों को मंदिर ना जाने की सलाह देते सुनाई दे रहे हैं। वह कहते हैं कि वह इज्जत लूटी जाती है और कत्ल होता है। वह कहते हैं, आप ऐसी चीजों में भरोसा मत करो जो आपको नुकसान पहुंचाती हो। एक बात बताइए अगर कहीं मंदिर में जाने से हमारे लोगों (दलितों) की हत्या होती हो।

भाजपा एक बार फिर आप पर हमलावर हो गई है। भाजपा ने तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए गौतम को पार्टी से बाहर करने की मांग की है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, आज पूरा देश प्रभु श्री राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा कर रहा है। पूरे देश में उत्साह का माहौल है और ऐसे समय में अरविंद केजरीवाल की पार्टी के नेता राजेंद्र पाल गौतम की हिंदू धर्म को अपमानित करने की टिप्पणी पीड़ा देती है। मुझे आज तक एक बात समझ में नहीं आती कि आखिर अरविंद केजरीवाल या आम आदमी पार्टी को भव्य राम मंदिर बनने से पीड़ा क्या है? बार-बार उनके नेता हिंदुओं का अपमान क्यों करते हैं? केजरीवाल तुष्टीकरण की राजनीति करना बंद करें और राजेंद्र पाल गौतम पर कार्यवाई करें और उसे पार्टी से निकालें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कश्मीर में बदलाव

जम्मू-कश्मीर के शासन-प्रशासन में सुधार का क्रम जारी है और इसी कड़ी में लोकसभा में दो संशोधन विधेयकों का पारित होना सुखद व स्वागतयोग्य है। देश के अनुरूप इस केंद्रशासित प्रदेश को मुख्यधारा में लाने के तमाम प्रयास जरूरी हैं। जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के पारित होने से इस क्षेत्र के प्रतिनिधित्व में विस्तार होगा। कश्मीरी प्रवासी समुदाय के दो प्रतिनिधि और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापित लोगों का भी एक प्रतिनिधि केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा में नामित किया जाएगा। यह बात छिपी नहीं है कि विगत वर्षों में बड़ी संख्या में लोग जम्मू-कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हुए हैं। यह संख्या एक से तीन लाख तक बताई जाती है। पलायन करने वालों में पंडितों की संख्या सबसे ज्यादा है। जो एक बार घाटी से निकले, तो फिर लौट न पाए। बड़ी संख्या में ऐसे कश्मीरी पंडित हैं, जो कभी कश्मीर जाने की हिम्मत नहीं कर सके। ऐसे लोगों के बीच से जब प्रतिनिधि विधानसभा के लिए नामित होंगे, तो जाहिर है, वंचितों-शोषितों को एक आधिकारिक आवाज मिलेगी, अपनी विधानसभा में उनका दर्द भी दर्ज होगा। अतः यह एक बड़ी जरूरी राजनीतिक-सामाजिक पहल है, इससे अलगाववादियों को भी मुंहतोड़ जवाब मिल सकेगा। इसके अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी एक प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नामित होगा। जाहिर है, इसमें ऐसे कश्मीरी नेताओं को आवाज मिलेगी, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के हैं और कहीं बाहर रहने को मजबूर हैं। पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के संकल्प के मद्देनजर यह पहल महत्वपूर्ण है। वास्तव में, विधानसभा में कश्मीरी पंडितों और पाक अधिकृत क्षेत्र के कश्मीरियों की आवाज के बिना जम्मू-कश्मीर की बात पूरी नहीं होती थी। देखने में ये कदम छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनका प्रभाव विशेष रूप से घाटी की राजनीति पर पड़ना तय है। अब यह सरकारों पर निर्भर करेगा कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में योग्यतम प्रतिनिधित्व पहुंचे और शांति-समाधान की दिशा में काम करे। कोरी राजनीति से अलग कश्मीर के व्यापक हित के बारे में सोचने का समय है। वहां धीरे-धीरे सामान्य हो रही स्थितियों को हर प्रकार से सकारात्मक बल देना होगा। आंकड़े गवाह हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूरे तथ्यों के साथ लोकसभा में बताया है कि पहले और आज के कश्मीर की जमीनी हकीकत में बहुत बदलाव आया है। कश्मीर में जनजीवन जैसे-जैसे सामान्य हो रहा है, उससे सरकार की भी उम्मीदें बढ़ रही हैं। साथ ही, जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक के जरिये कश्मीर में आरक्षण का वही स्वरूप हो जाएगा, जो बाकी देश में है। देश में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के अनुरूप ही आरक्षण में एकरूपता जरूरी है। पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना जरूरी है, ताकि चंद लोगों का परंपरागत वर्चस्व टूट जाए। कश्मीर में ही बड़ी संख्या में ऐसी जातियां रही हैं, जो आरक्षण या किसी भी प्रकार की विशेष सहूलियतों से वंचित हैं, ऐसी तमाम जातियों को विधिवत आरक्षण देकर आगे बढ़ाना कश्मीर के लिए लाभप्रद है। अब पिछड़े गांवों में रहने वाले सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित लोगों व नियंत्रण रेखा के करीब रहने वालों को भी आरक्षण मिल सकेगा। जाहिर है, हम नए विकासशील कश्मीर की ओर बढ़ रहे हैं।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

जीत-हार के बीच कुछ अनुत्तरित प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव के 'सेमीफाइनल' का नतीजा सामने है। भारतीय जनता पार्टी को इन चार राज्यों के चुनाव में अप्रत्याशित जीत मिली है। लगभग सारे चुनावी अनुमानों को ग़लत साबित कर दिया है इन परिणामों ने। राजनीति के पंडित हिसाब लगाने में लगे हैं- कुछ दावे कर रहे हैं, उन्होंने तो पहले ही कह दिया था, कुछ इसे भाजपा के राजनीतिक कौशल का परिणाम बता रहे हैं, कुछ विपक्ष की ग़लत रीति-नीति को दोषी ठहरा रहे हैं। कुछ भी कहें पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा काम आया है। कई कारण गिनाये जा सकते हैं चुनाव के नतीजों के संदर्भ में, पर यह एक हकीकत है कि प्रधानमंत्री ने सारा प्रचार-कार्य कुछ इस तरह से किया कि अगर जीत होती है तो यश उनकी ही झोली में पड़े। यही अब कहा भी जा रहा है। मोदी है तो मुमकिन है का नारा बार-बार दुहराया जा रहा है। 'मोदी की गारंटी' के जादू का झंडा कुछ इस तरह से फहराया जा रहा है जिससे लगे कि जीत के नायक वही हैं। और इसमें कुछ ग़लत भी नहीं है। इस सेमीफाइनल के परिणाम कुछ और होते तो कम से कम विपक्ष उन्हें 'कारक' कहने-बताने में चूकता नहीं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए विश्व कप मुकाबले के उदाहरण को सामने रखें तो यह कहा जा सकता है कि यह कतई ज़रूरी नहीं है कि फाइनल का परिणाम भी वही हो जो सेमीफाइनल का रहा है। वर्ष 2024 में होने वाले आम चुनाव को इस सेमीफाइनल के संदर्भ से नहीं आंका जा सकता। बहरहाल, अब राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से चुनावी नतीजों का विश्लेषण करेंगे आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे। जीतने वाले मतदाताओं का आभार व्यक्त करेंगे, और हारे हुए स्वयं को यह आश्वासन देंगे कि आगे मतदाता ऐसी 'ग़लती' नहीं करेंगे। विश्लेषण तो हर चुनाव परिणाम का होना चाहिए। अब भी होगा। पर एक बात जो इस बार स्पष्ट उभर कर सामने आयी है, वह यह है कि राजनीतिक दल यह मानकर नहीं चल सकते कि मतदाता उनकी बात पर भरोसा करेगा ही। न ही यह माना जा सकता है कि मतदाता को हमेशा भरमाया जा सकता है। इसी तरह, इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि हमारे यहां जिस तरह का चुनाव-प्रचार होता है, या फिर मतदाता को रिझाने की जिस तरह से कोशिशें होती हैं, वह जनतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से कितनी सही हैं? इन चुनाव में हमने देखा कि वादे और दावे तो हुए ही, एक नया शब्द भी ईजाद किया गया-गारंटी। वैसे तो वादा भी गारंटी ही होना चाहिए, पर इस बार चुनाव-प्रचार में इस शब्द पर विशेष ज़ोर दिया गया। कांग्रेस पार्टी ने शायद सबसे पहले यह शब्द काम में लिया था, फिर प्रधानमंत्री ने इसे 'मोदी की गारंटी' कह कर और ज़्यादा पुख्ता बनाने की कोशिश की। भले ही यह किसी ने नहीं बताया कि कथित गारंटी पूरी करने का आधार क्या होगा, पर लगता है, गारंटी का जादू काम कर गया। चुनाव-प्रचार की एक और बात जिस पर गौर किया जाना ज़रूरी है, वह यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें जिंदगी के ज़रूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को 'वैश्विक अर्थव्यवस्था' की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर ज़ोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही हम 'विकसित देशों' की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताने की ज़रूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त अनाज देने की व्यवस्था से घिरे हैं हम! इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ पक्ष यह बताना ज़रूरी समझ रहा था कि वैश्विक गरीबी सूचकांक के अनुसार हमारी सोलह प्रतिशत आबादी के गरीब होने के कारण क्या हैं? इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि वैश्विक भूख सूचकांक की 123 देशों की सूची में भारत का स्थान 107वां है। चुनाव-प्रचार के दौरान इसकी भी चर्चा कहीं सुनाई नहीं दी। ग़रीबी की तरह ही बेरोज़गारी का मुद्दा भी कुल मिलाकर अनसुना ही रहा- विपक्ष के भाषणों में यह शब्द कभी-कभी सुनाई दे जाता था, पर इसे उस ताकत से नहीं उठाया गया जितनी ताकत से उठाया जाना चाहिए था। चुनाव-परिणामों का विश्लेषण करने वालों का कहना है कि इस बार महिला-मतदाताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। ज़रूर रही होगी। महिलाओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, यह सही है।

चुनाव-परिणामों पर भी इसका निश्चित असर पड़ा है। पर यह बात कब किसी ने सामने लायी कि देश की आधी से अधिक महिलाएं शारीरिक दृष्टि से कमज़ोर क्यों हैं? महिला सशक्तीकरण के नाम पर ढेरों घोषणाएं हुई हैं, सभी दलों ने महिलाओं को लाभ दिलाने के वादे किये, सस्ता सिलेंडर, घर में नल, नकद सहायता आदि की तो बहुत दुहाई दी गयी, पर विधायिका में महिलाओं को तीस प्रतिशत भागीदारी देने और उसका समर्थन करने वालों में से किसी भी राजनीतिक दल में इन चुनावों में एक-तिहाई उम्मीदवार खड़े करना ज़रूरी नहीं समझा! देश में आईआईटी और आईआईएम खोले जाने की बातें भी हुईं, पर यह बात किसी ने भी नहीं उठायी कि देश में एक लाख से कहीं अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक क्यों है? हमारे नेता जब विदेशों में जाते हैं तो प्रवासी भारतीयों की योग्यता-क्षमता की खूब तारीफ करते हैं। खूब तालियां बजवाते हैं उनसे। पर यह सवाल हमारे राजनेताओं के ज़हन में क्यों नहीं आता कि हर साल एक लाख से अधिक भारतीय देश छोड़कर क्यों चले जाते हैं? प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले ही साल यानी 2022 में 25 हज़ार भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी थी। आखिर क्यों? यह सब वे नहीं है जिन्हें ग़लत काम करके देश से भागने दिया गया है। ऐसे लोग तो गिनती के हैं।

सवाल तो उन लाखों का है जो देश की परिस्थितियों के कारण 'बेहतर ज़िंदगी' के लिए देश छोड़कर जाने के लिए बाध्य हो जाते हैं। यह और ऐसे मुद्दे हमारे चुनावों का हिस्सा क्यों नहीं बनते? सवाल प्राथमिकताओं का भी है। यह संभव है कि जो मुद्दे उठाये गये वे भी उठने लायक हों, पर जो नहीं उठाये गये वे तो इस बात का उत्तर मांग रहे हैं कि जाति, धर्म, भाषा आदि को वोट मांगने का आधार क्यों बनाया जाता है? यह सवाल मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों से पूछना होगा कि वे यह क्यों मान लेते हैं कि मतदाता उनकी मुट्ठी में है?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनावी मुद्दा भी बने पर्यावरण का संकट

राजनीतिक उदासीनता

पिछले दिनों जब पूरी दिल्ली धुएं और धुंध की चपेट में थी, उस दौरान हर आम और खास को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन सहित कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगी थीं। अभी भी दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। सच्चाई यह भी है कि अगर वायु प्रदूषण को कम करने के तत्काल कदम नहीं उठाये तो भविष्य में इसकी बड़ी कीमत सब को चुकानी पड़ेगी। कुल मिलाकर कथित विकास के पीछे विनाश की आहट धीरे-धीरे दिखाई और सुनाई पड़ने लगी है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि कई बार वायु प्रदूषण मापने वाला इंडेक्स ही काम नहीं करता, मतलब वह उच्चतम स्तर तक पहुंच जाता है। वास्तविकता यह है कि अधिकांश राजनीतिक दलों के एजेंडे में पर्यावरण संबंधी मुद्दा है ही नहीं, न ही उनके चुनावी घोषणापत्र में पर्यावरण प्रदूषण कोई मुद्दा रहता है। देश में हर जगह, हर तरफ, हर पार्टी विकास की बातें करती हैं। लेकिन ऐसे विकास का क्या फायदा जो लगातार विनाश को आमंत्रित करता है। ऐसे विकास को क्या कहें, जिसकी वजह से सम्पूर्ण मानवता का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया हो। अब समय आ गया है जब पर्यावरण का मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के साथ आम आदमी की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। क्योंकि अब भी अगर हमने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया तो आगे आने वाला समय भयावह होगा। दिल्ली में पिछले 18 सालों में कैंसर से होने वाली मौतें साढ़े तीन गुना तक बढ़ गई हैं और इसका एक कारण प्रदूषण है। इस बीच राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के साल 2012 से साल 2016 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कैंसर रजिस्ट्री वाले सभी स्थानों में राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा लोगों की रजिस्ट्री हुई है। इस आंकड़े के अनुसार, 0 से 14 साल के उम्र के बच्चों में कैंसर का प्रतिशत 0.7 प्रतिशत से 3.7 प्रतिशत के बीच है। रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण बच्चों में कैंसर होने का खतरा ज्यादा हो जाता है क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करते हैं। दिल्ली के ज्यादातर अस्पतालों में प्रदूषण के कारण बीमार हो रहे लोग भर्ती हो रहे हैं। फिलहाल इस ज़हरीली हवा में कई प्रदूषक मौजूद हैं, जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, ओजोन आदि। यह सभी तत्व इंसानी शरीर के लिए खतरनाक हैं। कुछ वर्षों पहले तक बीजिंग की गिनती दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में होती थी, लेकिन चीन की सरकार ने इस समस्या को दूर करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट 'वायु प्रदूषण और बाल स्वास्थ्य प्रिस्क्राइबिंग क्लीन एयर' के अनुसार भारत में पिछले पांच साल में ज़हरीली हवा के कारण सबसे ज्यादा, 5 साल से कम उम्र के बच्चों की असामयिक मौतें हुई हैं। ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति भयावह है। कुल 168 भारतीय शहरों में से एक भी डब्ल्यूएचओ के मानकों के अनुरूप नहीं है। इस संगठन ने आरटीआई समेत कई स्रोतों के हवाले से बताया कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण के चलते 12 लाख लोगों की जान चली जाती है। इतना ही नहीं, देश का तीन प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ज़हरीली हवा के धुएं में घुल जाता है। अगर देश का विकास जरूरी है तो सबसे पहले वायु प्रदूषण से लड़ना होगा। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक वायु प्रदूषण भारत में मौत का पांचवां बड़ा कारण है। हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे छोटे कण मनुष्य के फेफड़े में पहुंच जाते हैं। जिससे सांस व हृदय संबंधित बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे फेफड़े का कैंसर भी हो सकता है। अध्ययन बताता है कि हम वायु प्रदूषण की समस्या को दूर करने को लेकर कितने लापरवाह हैं। अगर हालात नहीं सुधरे तो वो दिन दूर नहीं जब शहर रहने के लायक नहीं रहेंगे। स्वच्छ वायु सभी मनुष्यों, जीवों एवं वनस्पतियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके महत्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि मनुष्य भोजन के बिना हफ्तों तक, जल के बिना कुछ दिनों तक ही जीवित रह सकता है, किन्तु वायु के बिना उसका जीवित रहना असम्भव है। मनुष्य दिनभर में जो कुछ लेता है, उसका 80 प्रतिशत भाग वायु है। प्रतिदिन मनुष्य 22000 बार सांस लेता है। इस प्रकार प्रत्येक दिन में वह 16 किलोग्राम या 35 गैलन वायु ग्रहण करता है। वायु विभिन्न गैसों का मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन की मात्रा सर्वाधिक 78 प्रतिशत होती है जबकि 21 प्रतिशत ऑक्सीजन तथा 0.03 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है तथा शेष 0.97 प्रतिशत में हाइड्रोजन, हीलियम, आर्गन, निऑन, क्रिप्टन, जेनान, ओजोन तथा जल वाष्प होते हैं। वायु में विभिन्न गैसों की उपरोक्त मात्रा उसे संतुलित बनाए रखती है। इसमें जरा-सा भी अन्तर आने पर वह असंतुलित हो जाती है और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होती है। श्वसन के लिए ऑक्सीजन जरूरी है। जिस तरह से आज राजधानी दिल्ली के लोग शुद्ध हवा में सांस लेने को तरस रहे हैं, ऐसे में वो दिन दूर नहीं, जब देश के अधिकांश शहरों का यही हाल होगा। सरकार के साथ-साथ समाज और व्यक्तिगत स्तर पर भी काम करना होगा, तभी वायु प्रदूषण से छुटकारा मिल पायेगा।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

नेहरू का जिन्न पीछा नहीं छोड़ रहा?

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा में बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर, एक बार फिर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर निशाना साधा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर आरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक 2023 के माध्यम से 70 वर्षों से जम्मू कश्मीर के जो लोग अपमानित हुए हैं। जिन पर अन्याय हुआ है। जिनकी अनदेखी की गई है। उनको न्याय दिलाने वाला बिल है। अमित शाह यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कारण पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की समस्या उत्पन्न हुई। पूरा कश्मीर भारत में मिलाये बिना ही सीज फायर कर लिया। वरना पाक अधिकृत कश्मीर भी भारत का हिस्सा होता। लोकसभा में अब पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तो जवाब देने के लिए आएंगे। नाही श्यामा प्रसाद मुखर्जी सदन में हैं, जो इस संबंध में अपनी बात रख पाते। कश्मीर में उस समय किस तरह के हालात उत्पन्न हुए थे। किस तरह अंतिम क्षणों में रियासत का विलय भारत में हुआ। उस समय की परिस्थितियों क्या थी। उस समय उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों ने क्या सोचकर निर्णय लिए। 75 साल पुरानी घटना को याद करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को नकारा बताने और अपने आपको बेहतर बनाने का जो प्रयास किया जा रहा है। देशभर में अब उसकी तीव्र प्रतिक्रिया होने लगी है। आज के सत्ताधीस जो निर्णय ले रहे हैं। वह कितने सफल हैं, कितने असफल हैं। इसके बारे में तो आने वाला समय ही बतायेगा कि वर्तमान के निर्णय सही हैं। या पूर्व में लिए गए निर्णय उन परिस्थितियों के सही निर्णय थे। धारा 370 हटाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जो कहा था, वह आज पूरा होता हुआ नहीं दिख रहा है। कश्मीर घाटी में पिछले 5 वर्षों में जितनी आतंकी घटनाएं हुई हैं। उतनी उनके पहले के वर्षों में नहीं हुई हैं। 157 से ज्यादा जवान शहीद हुए हैं। धारा 370 को लेकर जो शांति का वायदा किया गया था। वह शांति तो कायम नहीं हो पाई। कश्मीर से का जो वादा किया गया था। वह पूरा नहीं हुआ उल्टे कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई। उसके बाद भी यदि हम अपने कामों को सही ठहराते हुए पूर्ववर्ती के लिए गए निर्णय की ओट में छिपने का प्रयास करते हैं। तो यह सही नहीं कहा जा सकता है। गडे मुर्दे की कब्र उखाड़ने से मुर्दे चलते नहीं है। जिन में जीवन होता है, उन्हीं को चलाया जा सकता है। वर्तमान केंद् सरकार जो भी निर्णय लेगी। वह वर्तमान के लिए हैं। भविष्य इसका फैसला करेगा, कि जो निर्णय लिया गया था। वह सही है, या नहीं। यदि हम अपने पूर्वजों को कोसते हैं। उनको नालायक साबित करते हुए अपने आप को लाइक बताने का प्रयास करते हैं। तो वर्तमान में तो यह संभव हो भी जाएगा। लेकिन भविष्य में जो अपने पूर्वजों के साथ हमने व्यवहार किया है। वही हमारे साथ भी होना तय है। लोकसभा में चर्चा के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब कांग्रेस के सांसद अधीर रंजन चौधरी ने सरकार को कश्मीर मामले में बहस करने की चुनौती दे दी। सरकार ने भी उस चुनौती को स्वीकार किया। बाद में बट किंतु परंतु करके इस मामले को टाल दिया गया। वर्तमान सरकार जिस तरह से पिछले 70-75 वर्षों के कार्यों के लिए पूर्व राजनेताओं को जिम्मेदार बताकर अपने आप को श्रेष्ठ बताना चाहती है। उसके लिए अपनी लाइन को और लंबा करना पड़ेगा। अभी कोई भी निर्णय लेते समय यह कह देना कि हमारे पूर्वजों ने गलती की थी। अब हम उसे सुधार रहे हैं। आप सुधार रहे हैं या बिगाड़ रहे हैं। इसका निर्णय तो आने वाला समय ही करेगा। जो हमने अपने पूर्वजों के साथ किया है। हमारे वंशज भी वही हमारे साथ करेंगे। क्योंकि उन्होंने जो देखा है,जो सुना है वही समझा है। आने वाली पीढ़ी से हम इसके अलग कोई व्यवहार की उम्मीद नहीं रख सकते हैं। यह हम सभी को ध्यान में रखना ही होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हफ्ते के पहले दो दिनों में अडानी की आय 16.71 अरब डॉलर बढ़ी

नई दिल्ली ।

अडानी के शेयर बीते कुछ दिनों से तेज रफ़्तार से बढ़े हैं। अडानी की कंपनी की कमाई लगातार बढ़ रही है। गौतम अडानी की दौलत में दिन दूनी रात चौगुनी की बढ़ोतरी हो रही है। हफ्ते के पहले दो दिनों में अडानी ने 16.71 अरब डॉलर की कमाई कर ली। गौतम अडानी की दौलत में आई इस तेजी के चलते उन्होंने दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में लंबी छलांग लगाई है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग के आरोपों के चलते अडानी की दौलत आधे से अधिक गिर गई थी, साल खत्म होने से पहले उन्होंने कमबैक कर लिया है। शेयरों में तेजी की वजह से अडाणी ने दुनिया के अरबपतियों की सूची में एक बार` ऊंची छलांग लगाई है। अडानी की दौलत में हुई बढ़ोतरी से उन्होंने दुनिया के अमीरों की सूची में टॉप 15 में जगह बना ली। ब्लूमबर्ग बिनेलियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अडानी की दौलत में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक दिन के कमाई मामले में उन्होंने बुधवार को एलन मस्क को भी पछाड़ दिया। बुधवार को उनके नेटवर्थ नें 12.5 अरब डॉलर की उछाल आई। इसके साथ ही उनकी संपत्ति 82.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

भारत और अमेरिका की व्यापार बैठक अगले माह

मुंबई । भारत और अमेरिका अगले माह होने वाली सालाना व्यापार नीति फोरम बैठक के आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। इस मामले के जानकार व्यक्तियों ने कहा कि इसमें दोनों पक्षों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, व्यापार व निवेश मुद्दों को सुलझाने और भविष्य के मुद्दों की पहचान किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि टीपीएफ की बैठक इस महीने में होने की उम्मीद थी लेकिन अब यह जनवरी में होने की उम्मीद है। भारत अमेरिका टीपीएफ की सह अध्यक्षता वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) और कैथरीन ताई करेंगी। दोनों देशों ने जनवरी, 2023 टीपीएफ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक की थी। चार वर्ष के अंतराल के बाद नवंबर 2021 में भारत-अमेरिका टीपीएफ हुआ। यह फोरम महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक व निर्यात साझेदार अमेरिका है। अप्रैल-अक्टूबर में द्विपक्षीय व्यापार कारोबार 69.36 अरब डॉलर हुआ था। यह बैठक उस समय हो रही है जब भारत अमेरिका के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुके हैं। इस क्रम में भारत और अमेरिका विश्व व्यापार संगठन के कई विवादित मुद्दों को हल करने की आम सहमति बना चुके हैं।

एएमडी ने डेटा सेंटर से लेकर पीसी तक नए एआई समाधान उत्पाद किए पेश

सैन जोस ।

तेजी से बढ़ते कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र का लाभ उठाने के लिए चिप निर्माता कंपनी एएमडी ने डेटा सेंटर से लेकर पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) तक के लिए उत्पादों की एक नई श्रृंखला पेश की है। सांता क्लारा स्थित सेमीकंडक्टर कंपनी ने कई नए उत्पाद पेश किए। इनमें एएमडी इंस्टिंक्ट एमआई300 सीरीज डेटा सेंटर एआई एक्सेलेरेटर, लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) का समर्थन करने वाले नए फीचर्स के साथ आरओसीएम 6 ओपन सॉफ्टवेयर स्टैक और राइजेन एआई के साथ राइजेन 8040 सीरीज प्रोसेसर शामिल हैं। एएमडी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिसा सु ने यहां इन उत्पादों को पेश करते हुए कहा` कि एआई कंप्यूटिंग का भविष्य है। एएमडी एंड-टू-एंड बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए इसे विशिष्ट रूप से बनाया गया है। यह इस एआई युग को क्लाउड इंस्टॉलेशन से लेकर एंटरप्राइज क्लस्टर तथा एआई-सक्षम इंटेलिजेंस एम्बेडेड डिवाइस व पीसी तक को परिभाषित करेगा। उन्होंने दावा किया कि कंपनी नए इंस्टिंक्ट एमआई300 जीपीयू की बहुत मजबूत मांग देख रही है, जो दुनिया में जेनरेटिव एआई को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। एआई क्षेत्र में संभावित वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि बाजार के 70 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है। कुछ अनुमानों के अनुसार, 45 अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा बाजार आकार 2027 तक बढ़कर 400 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है।

रैपिडो ने की कैब बाजार में उतरने की घोषणा

-कंपनी कराएगी अब कार से भी सफर

नईदिल्ली ।

रैपिडो कंपनी ने कैब बाजार में उतरने की घोषणा की! कंपनी ने सॉफ्टवेयर एज अ सर्विस (सास) पर चलने वाला अपना प्लेटफॉर्म रैपिडो कैब्स पेश किया। रैपिडो कैब्स प्लेटफॉर्म हर फेरे पर कमीशन नहीं लेगा बल्कि उसके ड्राइवर सबस्क्रिप्शन मॉडल पर काम करेंगे। उबर और ओला जैसी इस बाजार की स्थापित कंपनियां ड्राइवरों से हर फेरे पर तयशुदा कमीशन लेती हैं। मगर रैपिडो प्लेटफॉर्म पर जब ड्राइवर की कमाई 10,000 रुपये महीने से ज्यादा हो जाएगी तब उसे 500 रुपये का सबस्क्रिप्शन शुल्क देना होगा। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटूपल्ली ने कहा, 'सास पर चलने वाला हमारा अनूठा प्लेटफॉर्म ड्राइवरों के लिए कमीशन वाली पुरानी व्यवस्था में क्रांति ला देगा। इसमें ड्राइवरों को न्यूनतम सॉफ्टवेयर उपयोग शुल्क ही देना होगा, जो उद्योग में बड़ा बदलाव होगा।' रैपिडो ने अपने बेड़े में 1 लाख से अधिक कार जोड़ ली हैं, जिनमें से करीब 50 फीसदी कार दिल्ली-एनसीआर में हैं।

रैपिडो फिलहाल देश के 100 शहरों में अपनी सेवाएं दे रही है, लेकिन उसकी कैब सेवा शुरू में केवल बेंगलूरु, हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर में ही मिलेगी। कंपनी ने अगले चरण में अपने कारोबार का विस्तार छोटे एवं मझोले शहरों तक करने की योजना बनाई है। कंपनी अपने साथ करीब 5,00,000 ड्राइवर पार्टनर होने और हर महीने 5.5 करोड़ फेरे उपलब्ध कराने का दावा करती है। इसके अलावा वह न्यूनतम किराये की गारंटी के साथ ग्राहक जोड़ने की भी कोशिश कर रही है। सवारी की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कंपनी ने अपने ऐप पर एसओएस, लोकेशन साझा करने और आपातकालीन बटन जैसी सुविधाएं दी हैं। अगर ड्राइवर निर्धारित मार्ग से भटक जाता है, रुक जाता है अथवा सवारी को बुकिंग वाली जगह के बजाय कहीं और उतारता है तो उसकी सूचना भेजने के लिए ऐप को भी बेहतर बनाया गया है। कंपनी भविष्य में चेहरा पहचानने की सुविधा भी तैयार कर रही है। रैपिडो अपने ड्राइवर पार्टनर को कैप्टन कहती है। उसके कैप्टनों को सवारी के प्रति संवेदनशील बनाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम से भी गुजरना होगा। कंपनी अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल करने लगी है। डेटा प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार रैपिडो ने अब तक करीब 2,600 करोड़ रुपये जुटाए हैं और उसका मूल्यांकन करीब 6,750 करोड़ रुपये है।

हुंदै मोटर एक जनवरी से बढ़ाएगी वाहनों की कीमत

नई दिल्ली । देश में वाहन निर्मात कंपनी हुंदै मोटर इंडिया ने कच्चे माल की बढ़ती लागत, प्रतिकूल विनिमय दर और जिंस की कीमतों में वृद्धि का हवाला देते हुए अगले महीने से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की। कंपनी ग्रैंड आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनक्यू5 तक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 5.84 लाख रुपये से 45.95 लाख रुपये के बीच है। हालांकि एक जनवरी 2024 से कीमत कितनी बढ़ाई जाएगी इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की ओर से जारी बयान के अनुसार, कीमतों में वृद्धि कच्चे दाम की बढ़ती लागत प्रतिकूल विनिमय दर और अन्य कारणों के अलावा जिंस की कीमतों में वृद्धि के कारण है। एचएमआईएल के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि कंपनी हमेशा लागत वृद्धि को यथासंभव हद तक वहन करने की कोशिश करती है और यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहकों पर बोझ न पड़े।

जी और सोनी विलय की मंजूरी के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने जी एंटरटेनमेंट और कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के प्रस्तावित विलय के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई एनसीएलएटी के चेयरपर्सन की अगुवाई वाली पीठ ने समय की कमी के कारण 15 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। यह मामला 31 अक्टूबर को हुई पिछली सुनवाई में एक अलग पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जिसने दोनों याचिकाओं को न्यायाधिकरण चेयरपर्सन की पीठ को स्थानांतरित कर दिया था। ये याचिकाएं एक्सिस फाइनेंस और आईडीबीआई बैंक ने दाखिल की हैं। उस पीठ ने कहा था कि चेयरपर्सन की अगुवाई वाली पीठ पहले से ही जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के खिलाफ दायर आईडीबीआई बैंक की दिवालिया अर्जी पर सुनवाई कर रही है, लिहाजा इन अपीलों पर भी उसी पीठ का सुनवाई करना उचित होगा। हालांकि, एनसीएलएटी ने एक्सिस फाइनेंस और आईडीबीआई बैंक की अपीलों पर कोई नोटिस जारी नहीं किया। इन दोनों ने जी एंटरटेनमेंट और कल्वर मैक्स के विलय को मंजूरी देने के फैसले को चुनौती दी है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने 10 अगस्त को इन दोनों मीडिया कंपनियों के विलय प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। विलय के बाद बनने वाली नई कंपनी देश की सबसे बड़ी मीडिया इकाई होगी।

सात दिन बाद शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 132 अंक टूटा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में सात दिन से जारी तेजी के बाद गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर रुझानों के दबाव से बाजार में गिरावट आई। विश्लेषकों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की गिरती कीमतें घरेलू बाजार को सहारा देने में विफल रहीं क्योंकि निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले सतर्क नजर आए।

गुरुवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 132 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 37 अंक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, व्यापक बाजार गुरुवार को अपनी बढ़त बरकरार रखने में कामयाब रहे। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.7 फीसदी, जबकि स्मॉलकैप 0.3 फीसदी बढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 132.04 अंक की गिरावट के साथ 69,521.69 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में गुरुवार को 69,320.53 और 69,695.33 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 36.55 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,901.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में गुरुवार को 20,850.80 और 20,941.25 के रेंज में कारोबार हुआ। गुरुवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, अल्टाट्रेक सीमेंट, टाइटन, एनटीपीसी और एसबीआई सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे।

सबसे ज्यादा मुनाफा पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.43 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, एचयूएल, टाटा स्टील, आईटीसी और एलएंडटी सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.46 फीसदी गिर गए। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों मेंज. फ्रांस के सीएसी में तेजी रही जबकि जर्मनी का डीएएक्स नुकसान में रहा। वहीं लंदन के एफटीएसई में गिरावट रही। अमेरिकी बाजारों में बुधवार को मिला-जुला रुख था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.05 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सरकार गन्ने से एथनॉल उत्पादन पर लगाएगी रोक

नई दिल्ली ।

भारत गन्ने से एथनॉल उत्पादन पर अंकुश लगाने की तैयारी कर रहा है क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उपभोक्ता घरेलू कमी से जूझ रहा है। एक समाचार एजेंसी ने इस मामले में बताया कि अधिकारी चालू सीजन के लिए जैव ईंधन (एथनॉल) का उत्पादन करने के लिए गन्ने के उपयोग को सीमित करने के प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं। इस विषय पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और योजनाएं अभी भी बदल सकती हैं। ये दि इस तरह का कोई प्रस्ताव लाया जाता है, जिस मंजूरी मिलने पर देश में चीनी की कमी को कम करने में मदद करेगा। बुधवार को न्यूयॉर्क में वायदा कीमतों में 7.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की, जो 10 महीनों में सबसे बड़ी गिरावट है। यह भारत के लिए चीनी आयात करने की किसी भी संभावना को भी ख़त्म कर देगा। मंत्रालय ने इस विषय पर टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। अनियमित बारिश ने भारत में गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचाया, जिससे दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक को निर्यात पर प्रतिबंध 31 अक्टूबर से आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पैरागॉन ग्लोबल मार्केट के प्रबंध निदेशक माइकल मैकडॉगल ने कहा कि एथनॉल उत्पादन को सीमित करने से भारत में चीनी के भंडार में और गिरावट नहीं आएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि इस उपाय से भारत को खाद्य मुद्रास्फीति पर काबू पाने में मदद मिल सकती है, लेकिन इसका सीमित प्रभाव हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सूत्रों के अनुसार कुछ एथनॉल इस साल की शुरुआत में एक निविदा में बेचा जा चुका है और इसका उत्पादन करने की आवश्यकता होगी।

आगे कितना मजबूत होगा रुपया विश्लेषक इस लेकर सतर्क

मुंबई । भारतीय शेयर बाजारों में अधिक विदेशी फंड आने से रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे बढ़कर 83.32 पर बंद हुआ, जो अब तक का शीर्ष स्तर है। हालांकि, शेयर बाजार में आने वाले फंड को हॉट मनी माना जाता है और यह अल्प सूचना पर बाहर निकल सकता है। इसकारण बाजार विश्ले लेषक इस लेकर सतर्क हैं कि रुपया आगे कितना मजबूत होगा। बहुत कुछ तेल की कीमतों पर भी निर्भर करेगा। डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की ताकत का अनुमान लगाता है, भी 0.07 प्रतिशत कम पर कारोबार कर रहा था, जिससे रुपये को मदद मिली। डॉलर हाल ही में इस उम्मीद से कमजोर होना शुरू हुआ है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा।इससे उभरते बाजारों की मुद्राओं को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने में भी मदद मिली है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि आरबीआई ने डॉलर की खरीदारी की जिससे रुपये की बढ़त सीमित हो गई। आरबीआई द्वारा डॉलर की खरीद-फरोख्त का मकसद रुपये में व्यापक उतार-चढ़ाव को रोककर उस स्थिर बनाए रखना है। जब रुपया तेजी से गिरने लगता है, तब आरबीआई भारतीय मुद्रा को सहारा देने के लिए डॉलर बेचता है। इसके विपरीत, जब रुपया बढ़ता है, तब यह आरबीआई को डॉलर खरीदने का मौका देता है। यह भी बताया गया है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक से पहले विदेशी मुद्रा बाजार प्रतीक्षा और घड़ी की स्थिति में है, जिसने ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिए तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

बैंकॉक में 40वें थाईलैंड इंटरनेशनल मोटर एक्सपो के दौरान 11 बच्चों ने NETA मैजिक किड का अनुभव लिया।

कॉफी चेन स्टारबक्स को 11 अरब डॉलर का नुकसान

ह्यूस्टन ।

विश्व भर में राजनीतिक तनाव के बीच सिएटल स्थित स्टारबक्स कॉर्पोरेशन पर भी काफी नकारात्मक असर देखने को मिला है। स्टारबक्स को खराब बिक्री और उसके उत्पादों के बहिष्कार को लेकर बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। लगातार इस बहिष्कार के कारण कंपनी को लगभग 11 अरब डॉलर का खामियाजा भुगतना पड़ा है। कंपनी को इतना नुकसान उठाना पड़ा है। इससे कंपनी का कुल मूल्य 9.4 प्रतिशत घटा है। लगातार कंपनी के खिलाफ हो रहे बहिष्कार के कारण स्टारबक्स के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार स्टारबक्स के शेयर 8.96 प्रतिशत तक गिर गए है। शेयरों में गिरावट के कारण कंपनी को 11 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है। बता दें कि स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड के एक ट्वीट के बाद कंपनी मुश्किल में आ गई थी। इसके बाद से ही कंपनी के उत्पादों का बहिष्कार होना शुरू हो गया था।

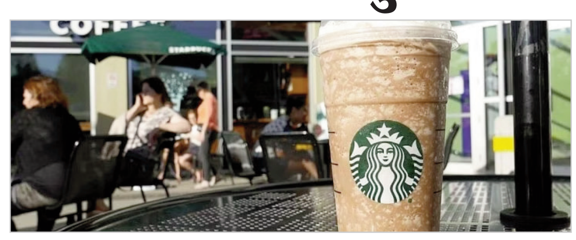

श्रमिक संघ उसके कई बरिस्ता का प्रतिनिधित्व करता है और उन्होंने गाजा में जारी हिंसक संघर्ष में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इस संबंध में एक उद्योग विश्लेषक का कहना है कि गाजा पट्टी पर इजराइल की आक्रामकता के बीच बहिष्कार भी जारी है। इसके साथ ही कंपनी को लेकर असंतोष भी फैला हुआ है। कंपनी का भविष्य भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में पहुंचा हुआ है।

फेडरल बैंक देगा ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन सुविधाएं

नई दिल्ली ।

फेडरल बैंक अब ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन प्रणाली से जुड़ गया है। बैंक ने ये सुविधाएं देने के लिए एनसीडीईएक्स ई-मार्केट लिमिटेड (एनईएमएल) के साथ करार किया है। एनईएमएल एक नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीईएक्स) की स्वामित्व वाली सहयोगी ईकाई है। एनसीडीईएक्स 90 कमोडिटी के ट्रेडिंग प्लेटफार्म में महत्वपूर्ण भागीदारी रखता है। बैंक ने कहा कि इस रणनीतिक साझेदारी से राज्य और केंद्र सरकारों को ई-प्रोक्योरमेंट के लिए एडवांस सॉल्यूशन मिलेगा।

इस प्लेटफार्म के जरिए किसान एनईएमएल प्लेटफार्म पर अपनी उपज बिक्री के लिए दर्ज करवा सकेंगे। प्लेटफार्म पर दर्ज कृषि उपज को सरकार दिए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएनपी) पर खरीद लेगी। इसके बाद वह फेडरल बैंक अपने प्लेटफार्म से लिंक एनईएमएल प्लेटफार्म के जरिए कृषि उपज का बेहद अहम सरकारी पेमेंट कराएगा। इसके साथ ई ऑक्शन भी सरकार को सारी प्रमुख कमोडिटी के उचित मूल्य निर्धारित करके उसकी खरीदारी में मदद करेगा। इसके लिए वह बेहतर ढंग से प्राइस डिस्कवरी करेगा।

उल्लेखनीय है कि नीलामी में आने वाली सभी बोलियों में सबसे उचित मूल्य के चुनाव की प्रक्रिया को प्राइस डिस्कवरी कहते हैं। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी।

बाजार के मौजूदा परिदृश्य के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ सभी कमोडिटीज के दाम तय होंगे।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल कीमतों में बदलाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। गुरुवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.62 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 74.30 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 67 और डीजल 66 पैसे महंगा हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल दोनों 28 पैसे महंगे हो गए हैं। झारखण्ड, कर्नाटक, पंजाब और राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी दिख रही है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे सस्ता हो गया है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल 58 और डीजल 53 पैसे सस्ता हो गया है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण अफ्रीका में बारिश ने किया टीम इंडिया का स्वागत, छतरी की जगह ट्रॉली बैग का लिया सहारा

सेंचुरियन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को पहले टी20 मैच से शुरू होने वाली आगामी बहु-प्रारूप श्रृंखला के लिए डरबन पहुंचने पर टीम इंडिया का स्वागत बारिश ने किया जिसके बाद होटल में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जैसे ही मेन इन ब्लू दक्षिण अफ्रीका में उतरे, वे बारिश ने उनका स्वागत किया और कुछ खिलाड़ियों को बस की ओर दौड़ते समय अपने ट्रॉली बैग को कवर के रूप में इस्तेमाल करते देखा गया। हालांकि जैसे ही वे अपने होटल पहुंचे, मूड तेजी से बदल गया। हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने उनका उत्साह बढ़ाया और उन्होंने अपने समर्थकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें खिलाड़ियों को दक्षिण अफ्रीकी हवाई अड्डे पर पहुंचते और होटल के कर्मचारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत करते देखा गया। दक्षिण अफ्रीका का सभी प्रारूपों का दौरा रविवार को तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला के साथ शुरू होगा जो 14 दिसंबर तक चलेगा। 17 दिसंबर से सफेद गेंद श्रृंखला का एकदिवसीय चरण शुरू होगा जो 21 सितंबर को समाप्त होगा।

वीडियो में सूर्यकुमार यादव, रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जयसवाल, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम शामिल थी। कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रित बुमरा जैसे सीनियर खिलाड़ी सभी प्रारूपों की श्रृंखला में सफेद गेंद से नहीं खेल पाएंगे। नंबर एक टी20आई बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टी20आई टीम का नेतृत्व करेंगे जबकि केएल राहुल वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, साई सुदर्शन और रजत पाटीदार जैसे युवाओं को वनडे टीम के लिए कॉल-अप मिला है।

सीनियर खिलाड़ी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वापसी करेंगे जो 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होगा और दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से केपटाउन में होगा। श्रृंखला का यह रेड-बॉल चरण भारतीय प्रशंसकों के लिए सबसे प्रतीक्षित होगा क्योंकि भारत ने अभी तक दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज नहीं की है।

जब मैदान में गौतम गंभीर और श्रीसंत के बीच हुई नोकझोंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर वर्तमान में लीजेंड्स लीग क्रिकेट में इंडिया कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे हैं। गंभीर का बल्ला इस टूर्नामेंट में जमकर हल्ला बोल रहा है। गुजरात जॉयंट्स और इंडिया कैपिटल्स के बीच खेला गया पहला एलिमिनेटर मैच बेहद रोमांचक रहा। इस मुकाबले में गंभीर और गुजरात जॉयंट्स की ओर से खेल रहे टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज शांताकुमारन श्रीसंत के बीच नोकझोंक देखने को मिली। श्रीसंत की गेंदों पर गंभीर ने कुछ करारे शॉट लगाए जिससे भारतीय पेसर चिढ़ गया और गंभीर को आंख दिखाने की कोशिश की लेकिन गौतम ने भी श्रीसंत को मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि बाद में श्रीसंत ने वीडियो जारी कर कहा कि गंभीर को इस तरह की हरकत लाइव मैच में नहीं करनी चाहिए।

यह वाकया मैच के दूसरे ओवर की है जब गौतम गंभीर स्ट्राइक पर थे। पेसर श्रीसंत अपना पहला ओवर लेकर आए। गंभीर ने पहली गेंद को छक्के के लिए बाउंड्री के बाहर भेज दिया। अगली गेंद को गंभीर ने चौके के लिए बाउंड्री का दर्शन कराया। अगली गेंद डॉट रही। इसके बाद श्रीसंत अपने फॉलो थ्रू में आगे बढ़े और गंभीर की ओर देखने लगे। गंभीर भी कहां पीछे रहने वाले। उन्होंने भी श्रीसंत को करारा जवाब दिया। हालांकि मामला ज्यादा आगे नहीं बढ़ा और दोनों यहीं पर शांत हो गए। मैच के बाद शांताकुमारन श्रीसंत ने एक वीडियो जारी किया जिसमें वह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि उनके दिल में सीनियर खिलाड़ियों जैसे वीरू आदि के लिए बहुत सम्मान है। उन्होंने कहा कि मेरी गलती नहीं थी लेकिन गौतम गंभीर ने क्रिकेट के मैदान पर लाइव मैच में जिस भाषा का इस्तेमाल किया वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं थी। भारतीय टीम के पूर्व पेसर ने कहा कि आज नहीं तब कल यह बात सामने आ जाएगी कि गंभीर ने क्या कहा था। मुकाबले की बात करें तो गौतम गंभीर की कप्तानी वाली इंडिया कैपिटल्स ने गुजरात जॉयंट्स को 12 रन से हरा दिया। गंभीर ने 30 गेंदों पर 7 चौकों और एक छक्का की मदद से 51 रन की पारी खेली। इंडिया कैपिटल्स ने 7 विकेट पर 223 रन बनाए।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ा

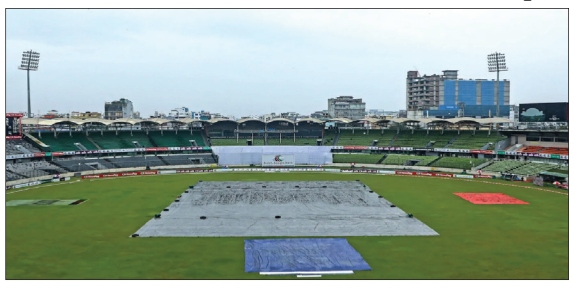

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। मैच के पहले दिन बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 172 रन पर आउट हो गई थी लेकिन मेजबान टीम ने वापसी करते हुए न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 55 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा।

लगातार बारिश के कारण मैच अधिकारियों ने दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया और साथ ही शुक्रवार को मैच जल्दी शुरू करने का भी फैसला किया। न्यूजीलैंड की टीम अब भी बांग्लादेश से 117 रन पीछे है जबकि उसके पांच विकेट बाकी हैं। डेरिल मिशेल 12 जबकि ग्लेन फिलिप्स पांच रन बनाकर खेल रहे हैं। बांग्लादेश ने दो टेस्ट की श्रृंखला का पहला मैच 150 रन से जीता था और उसके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने का मौका है।

जैक्स और करन का शानदार प्रदर्शन, इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को हराकर श्रृंखला बराबर की

नॉर्थ साउंड (एंटीगा) (एजेंसी)। विल जैक्स के 73 रन और सैम करन के तीन विकेट के दम पर इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजा था और मेजबान टीम 40 ओवर में 202 रन पर आउट हो गई। वहीं जैक्स के दूसरे अर्धशतक की मदद से इंग्लैंड ने 33 ओवर में चार विकेट पर 206 रन बनाए।

वेस्टइंडीज के लिए पहले मैच में नाबाद 109 रन बनाने वाले शाई होप ने 68 रन की पारी खेली। एक समय सात ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर चार विकेट पर 23 रन था लेकिन होप ने शेरफान रदरफोर्ड (63) के साथ 129 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। उन्होंने 44 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और 68 गेंद में 68 रन बनाए। रदरफोर्ड ने 71 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

जवाब में जैक्स ने फिल साल्ट(21) के साथ 50 रन की साझेदारी की और 43 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड के जाक क्रॉउले और बेन डकेट जल्दी आउट हो गए लेकिन हेनरी ब्रूक और जोस बटलर ने 17.1 ओवर बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। बटलर 58 रन बनाकर और ब्रूक 43 के स्कोर पर नाबाद रहे। बटलर ने 36 रन पूरे होते ही वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिए। इससे पहले शुरूआती वनडे में होप इस आंकड़े तक पहुंचे थे।

विकेटकीपर के रुप में 5 हजार रन बनने वाले पांचवे खिलाड़ी बने बटलर

मुंबई । इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने लगातार कम स्कोर के बाद फॉर्म में वापसी की और वनडे में 5,000 रन का आंकड़ा छू लिया । वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के केवल पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं । साथ ही बटलर विकेटकीपर द्वारा सबसे तेज 5000 वनडे रन बनाने वालों की टॉप 5 की लिस्ट में भी शामिल हुए हैं । बटलर नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के दूसरे वनडे के दौरान इस मुकाम पर पहुंचे । मैच में बटलर ने 45 गेंदों में नाबाद 58* रन बनाए । उनकी पारी में चार चौके और तीन छक्के थे । उनके रन 128 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से आए । अब 180 वनडे और 153 पारियों में इंग्लैंड कप्तान ने 39.85 की औसत और 117 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 5,022 रन बनाए हैं ।

अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस को क्रिकेट में वापसी की उम्मीद

अबू धाबी । अबू धाबी टी10 2023 संस्करण में मॉरिसविले सैंप आर्मी की बांग्ला टाइगर्स के साथ भिड़ंत से पहले अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर खुलकर बात की है । इस बीच खबर थी कि फाफ अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ वापसी कर सकते हैं । फाफ ने मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है । इस बारे में पूछने पर फाफ ने कहा कि मुझे विश्वास है कि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी वापसी कर सकता हूं । हम पिछले कुछ वर्षों से इस बारे में बात कर रहे हैं । यहां सिर्फ अगले साल टी20 विश्व कप के लिए संतुलन का पता लग रहा है । यह निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसके बारे में नए कोच से बात की है ।

शुबमन गिल ने राशिद खान से की मुलाकात, सोशल मीडिया पर डाली तस्वीर

नई दिल्ली । भारत के बल्लेबाज शुबमन गिल ने अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान से ब्रिटेन में मुलाकात की । इस दौरान वह अपने गुजरात टाइटंस (जीटी) टीम के साथी को देखकर बहुत रोमांचित हुए । उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली पोस्ट भी साझा की है । इस राशिद खान ने गिल के साथ एक तस्वीर खिंचवाई जिन्होंने हाल ही में हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में आश्चर्यजनक वापसी के बाद आईपीएल 2024 के लिए गुजरात टाइटन्स का नया कप्तान बनाया था । राशिद ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कप्तान साहब द्वारा रोकने के लिए धन्यवाद। राशिद की पोस्ट पर माइकल वॉन और टाइटन्स दोनों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं आईं और दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की मुलाकात को देखकर खुश हुए। अपनी प्रतिक्रिया में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि मुझे यह पसंद है । दूसरी ओर टाइटन्स ने लिखा, नजर ना लगे । बता दें कि राशिद की 24 नवंबर को यूनाइटेड किंगडम में पीठ के निचले हिस्से की एक छोटी सी सर्जरी हुई । वह भी पीठ की चोट के कारण आगामी बिग बैश लीग सीजन 13 से हट गए हैं जिसके लिए एक छोटी सी सर्जरी की आवश्यकता है। उन्होंने अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 2023 वनडे विश्व कप में उनकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया । इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ मैचों में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा ।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में क्रिश गेल ने खूब लगाया जोर, फिर भी 12 रन से हारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीजेंड्स लीग क्रिकेट में क्रिश गेल ने खूब जोर लगाया, बावजूद इसके फिर भी उनकी टीम 12 रनों से हार गई। सूरत के लाल भाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के एक अहम मुकाबले में गुजरात जायंट्स की ओर से खेलते हुए क्रिस गेल ने 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 84 रन बनाए। लेकिन वह अपनी टीम को 12 रन की हार से बचा नहीं पाए। इससे पहले खेलते हुए इंडिया कैपिटल्स ने गौतम गंभीर के 51, चिप्ली के 35 और बेन डंक के 30 रनों की बदौलत 223 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी गुजरात 211 रन ही बना पाई। गुजरात को रोकने में इसरु उडाना की शानदार गेंदबाजी आड़े आई। इसरु ने अपने 4 ओवर में केवल 22 रन दिए और गुजरात के बल्लेबाजों को बांध कर रख दिया। इससे पहले इंडिया कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे गौतम गंभीर ने तेजतर्रार शुरूआत कर अपनी टीम को 200 पार लगवाने में मदद की।

हालांकि टीम की शुरूआत अच्छी रही थी। एडवर्ड्स के साथ गंभीर ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े थे। एडवर्ड्स ने 20 गेंदों पर 26 रन बनाए जबकि गौतम गंभीर ने 28 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर दर्शकों का मनोरंजन किया। गंभीर इस दौरान अच्छी लय में दिखे। उन्होंने श्रीसंत के पहले ही ओवर में 1 छक्का और 1 चौका लगाकर कमाल ??दिखा ?दिया। कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बेन डंक ने भी जलवा दिखाते हुए 10 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। इससे पहले पीटरसन ने भी 15 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 26 रन बनाए थे। अंत में चिप्ली ने 16 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 35 रन बनाए जबकि एश्ले नर्स ने 5 गेंदों पर 12 रन बनाकर स्कोर 223 तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में पूर्व चैंपियन कैरोलिन वोज्नियाकी को मिला वाइल्डकार्ड

मेलबर्न । पूर्व विश्व नंबर 1 और 2018 चैंपियन डेनमार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी को छह ऑस्ट्रेलियाई प्रतिभाओं के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के लिए मुख्य ड्रॉ वाइल्डकार्ड दिया गया है । बता दें कि वोज्नियाकी ने 2018 में मेलबर्न पार्क में यह खिताब जीता था । उन्हें मंगलवार को साल के पहले ग्रैंड स्लैम आयोजन के लिए वाइल्डकार्ड प्राप्तकर्ता घोषित किया गया , जो सात खिलाड़ियों में से एक थी । अन्य छह प्रतिभाशाली ऑस्ट्रेलियाई किम्बर्ली बिरेल, ओलिविया गैडेकी, तायला प्रेस्टन, जेम्स डकवर्थ, मार्क पोलमैन्स और एडम वाल्टन हैं । 2018 चैंपियन वोज्नियाकी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के आधिकारिक पॉडकास्ट पर 4 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया लौटने के अपने उत्साह का खुलासा किया । 2 बच्चों की मां, 33 वर्षीय वो ?ज्नियाकी ने कहा है कि मेरे पास मेलबर्न की बहुत सारी अद्भुत यादें हैं और निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना करियर का सर्वकालिक आकर्षण है । गौरतलब है कि वोज्नियाकी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2020 में संन्यास ले लिया था । साढ़े 3 साल दूर रहने के बाद वोज्नियाकी ने अगस्त 2023 में टेनिस में रोमांचक वापसी की। यूएस ओपन में ग्रैंड स्लैम वापसी से पहले उन्होंने मॉन्ट्रियल और सिनसिनाटी में खेला, जहां वह चौथे में अंतिम चैंपियन कोको गॉफ से हार गईं । वोज्नियाकी ने वापसी पर कहा कि मेलबर्न दुनिया में मेरे सबसे पसंदीदा शहरों में से एक है, और मैं इसे अपने परिवार और अपने बच्चों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती । बता दें कि ऑस्ट्रेलियन ओपन 14 से 28 जनवरी तक चलेगा, जिसमें आर्यना सबालेंका का लक्ष्य महिला खिताब का बचाव करना है और नोवाक जोकोविच पुरुष वर्ग में एक और जीत हासिल करना चाहेंगे ।

करियर बर्बाद होने के बाद फिर से आईपीएल की उम्मीद जगा रहे खलील अहमद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक में टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलते हुए बड़े हुए खलील अहमद को आईपीएल से उम्मीद जाग रही है। जानकार बता रहे हैं ?कि हो सकता है उनकी आईपीएल से वापसी हो जाए। 5 दिसंबर 1997 को पैदा हुए खलील अहमद 26 साल के हो गए। 2018 में जब उन्होंने टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया तो खलील को लंबी रेस का घोड़ा माना जा रहा था। जहीर खान, आशीष नेहरा, इरफान पठान वाली टीम इंडिया की लेफ्ट आर्म पेसर्स लीगेसी अब खलील अहमद के पास थी। मगर जल्द ही उनका क?रियर खत्म हो गया। खलील को टीम इंडिया से बाहर हुए चार साल हो चुके हैं। ले?किन आईपीएल और घरेलू क्रिकेट के भरोसे वापसी की उम्मीद लगाए बैठे खलील का रास्ता आसान नहीं ?दिख रहा है। खलील को सबसे पहले 2016 में आईपीएल नीलामी में दिल्ली डेयरडेविल्स ने 10 लाख रुपये में खरीदा था, जिससे राहुल द्रविड़ के साथ उनका जुड़ाव बढ़ा, जिन्होंने भारत के अंडर-19 कोच के रूप में काम किया और डेयरडेविल्स टीम के मेंटर भी थे। दिल्ली डेयरडेविल्स (2016 और 2017) के दौरान शुरू हुई इस कहानी में खलील को अपने सीनियर गेंदबाज जहीर खान का काफी सपोर्ट मिला, जो उस वक्त टीम की कप्तानी कर रहे थे।

जहीर ने खलील को कॉन्फिडेंस दिया। अपनी फील्ड खुद सेट करने और उसके हिसाब से बॉलिंग करने के लिए प्रेरित किया। खलील की माने तो इस अनुभव से एक गेंदबाज के रूप में उनमें काफी सुधार हुआ। 2018 की आईपीएल नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने किंग्स इलेवन पंजाब और डेयरडेविल्स को ऑक्शन में मात देते हुए खलील को तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। यह और बात है कि सनराइजर्स उन्हें सिर्फ बतौर बैक-अप ही इस्तेमाल करने वाली थी, क्योंकि उनके पास भुवनेश्वर कुमार, संदीप शर्मा, सिद्धार्थ कौल और बासिल थम्पी के रूप में एक मजबूत भारतीय पेस बैटरी थी। अब दिल्ली कैपिटल्स ने एकबार फिर उनपर भरोसा जताया है और ऑक्शन से पहले रिटेन कर लिया है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पाकिस्तानी टीम को बताया मजबूत

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पाकिस्तानी टीम को बेहद मजबूत बताया है । नए कप्तान शान मसूद की अगुवाई में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पहुंच गई है । सीरीज का पहला टेस?ट 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाना है । इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के तेज और उछाल भरे विकेट पर ऑस्ट्रेलिया के पेस बॉलर, पाकिस्तान के बैटरों की कठिन परीक्षा ले सकते हैं लेकिन इस्लामाबाद में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की राय में शान मसूद की मौजूदा टीम बेहद मजबूत है । उन्होंने इसे ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली पाकिस्तान की सबसे मजबूत टीमों में से एक माना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफटेस्ट सीरीज में जिस पाकिस्तानी बैटर पर लोगों की सबसे ज्यादा निगाह होगी वह हैं पूर्व कप?तान बाबर आकि ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में बाबर ने दो टेस्ट में 52.5 के औसत से 278 रन बनाए थे जिसमें एक शतक शामिल था। ख्वाजा ने बाबर को क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक बताते हुए कहा कि बाबर, उनकी ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ चुनौती पेश कर सकते हैं । 36 साल के इस पाकिस्तानी मूल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि बाबर तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बैटरों में से एक हैं । स्टीव स्मिथ हमारे युग के महानतम बल्लेबाज हैं । जब ये दोनों बाबर और स्मिथ यहां, बेनो–कादिर सीरीज में खेलेंगे तो यह रोमांचक मुकाबला होगा । बाबर की स्मिथ से तुलना करना लगभग स्मिथ की कोहली से तुलना जैसा है ।

चोट से उबरने के बाद हार्दिक पांड्या अब सीधे आईपीएल में लेंगे एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या अपनी चोट से उबरने के बाद अब सीधे आईपीएल में ही एंट्री करेंगे। हालांकि टी20 विश्व कप 2024 भले ही छह महीने दूर है लेकिन बीसीसीआई ने अभी से संभावित कप्तान हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर काम शुरू कर दिया है। क्रिकेट विश्व कप 2023 में जब हार्दिक को चोट लगी तो दक्षिण अफ्रीका दौरे पर बीसीसीआई ने रोहित शर्मा से सफेद गेंद फॉर्मेट की कप्तानी संभालने को कहा था। लेकिन बात न बनने पर बीसीसीआई ने टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अभी से हार्दिक पांड्या पर फोक्स करना शुरू कर दिया है। बता दें कि हार्दिक पहले से चोटों से परेशान रहे हैं, ऐसे में बीसीसीआई विशेष रूप से ऑलराऊंडर के लिए 18-सप्ताह का उच्च-प्रदर्शन कार्यक्रम पर काम कर रही है। एनसीए द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम में हार्दिक कार्डियो, शक्ति प्रशिक्षण, कार्यात्मक प्रशिक्षण और महत्वपूर्ण रूप से पर्याप्त आराम जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देंगे। बीसीसीआई ने आगामी दो टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बनाई है। 2024 में विंडीज और अमरीका में जबकि 2026 में भारतीय धरती पर विश्व कप होना तय है।

गौरतलब है कि बीसीसीआई और एनसीए द्वारा अपनाया गया यह कार्यक्रम नया नहीं है। इससे पहले जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी इस परीक्षा से गुजर चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि हार्दिक पंड्या की वर्तमान चोट उनकी पिछली पीठ की चोट से संबंधित नहीं है, जिसके लिए 2019 में उन्होंने सर्जरी करवाई थी। हार्दिक ने अपनी वापसी के बाद से शानदार फिटनेस बनाए रखी थी और आई.पी.एल. में गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व किया और अपनी टीम को खिताब भी दिलवाया। आई.पी.एल. 2023 में वह अपनी टीम को फाइनल तक भी लेकर गए। इसके अलावा श्रीलंका, न्यूजीलैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20ई सीरीज में भी उन्होंने टीम को लीड किया।

हालांकि पहले संभावना थी कि हार्दिक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी होगी। या फिर श्रीलंका या अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज में लौट आएंगे। लेकिन ऐसा होता न देख बीसीसीआई अब उनकी मुकम्मल फिटनेस पर काम कर रही है। यहां गौरतलब है कि टीम इंडिया ने जून 2022 से अब तक 55 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 38 में हार्दिक ने हिस्सा लिया। वनडे के 50 में से 23 मैच में वह खेले। आंकड़े बताते हैं कि हार्दिक टीम इंडिया के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है। ऐसे में उनकी फिटनेस क्रिकेट अधिकारियों के लिए प्राथमिकता बन जाती है।

अनेक गुणों की खान है नीम

सदियो से नीम को कई बिमारियो के इलाज के लिए प्रयोग मे लाया जाता है। जब कोई डॉक्टर नही होता था तो वैद्य नीम के इस्तेमाल से कई प्रकार के उपयोगी दवाओं का निजात करते थे। इतना ही नही नीम वर्तमान युग में कैंसर जैसी जानलेवा बिमारी के निदान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, इसका खुलासा वैज्ञानिको ने शोध द्वारा किया है। शोध में नीम की पत्तियो में एक विशेष कंपाउंड पाया, जो कैंसर सेल्स के साथ शरीर प्रतिरोधक क्षमता की लड़ाई को सहयोग देने में सक्षम है। कई मायनों में नीम का सेवन शरीर के लिए लाभकारी है।

एक जर्नल में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने उन्नत चरण के सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित 17 मरीजों की कैंसर सेल्स लेकर उस पर किए प्रयोग के नतीजे का खुलासा किया है। इस अध्ययन से उन्हें नीम की पत्ती द्वारा कैंसर के विकास को रोकने के तरीके का पता चल गया।त्वचा रोगों के लिए जैविक दवा बेंगलूर जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पुराने त्वचा रोग के इलाज के लिए जैविक दवा पेश की है। इस दवा का शोध, विकास और विनिर्माण देश में किया गया है। कंपनी ने कहा है कि वह इस दवा को वैश्रि्वक स्तर पर पहुंचाने के लिये वैश्विक सहयोगी को अंतिम रूप देने के लिये बातचीत कर रही है। बेंगलूर स्थित मेडिसिन कंपनी की चेयरपर्सन तथा प्रबंध निदेशक कहना है कि अलजुमाब नाम की दवा लंबे समय से चली आ रही त्वचा रोगों के इलाज के लिये है। यह अब देश में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध है। इसकी कीमत बाजार में उपलब्ध ऐसी ही दवाओं के मुकाबले कम से कम 50 प्रतिशत कम है। उन्होंने कहा कि हम इस दवा को दुनिया के अन्य देशों में पहुंचाना चाहते हैं और इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में कई कंपनियों के साथ बातचीत जारी है। किरण ने यह भी कहा कि यह बड़ी सफलता है और इसका व्यापक वैश्रि्वक प्रभाव पड़ सकता है।बायोकॉन के अनुमान के अनुसार त्वचा रोग से संबद्ध दवाओं का बाजार 2016 तक 8 अरब डॉलर पहुंच जाने का अनुमान है। कंपनी ने 2006 में अलजुमाब पर काम करना भी शुरू किया था।

योग द्वारा दूर हो सकता है पीठ का दर्द

कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई ना कोई बीमारी परेशान करती ही रहती है। चाहे वह कितना भी इलाज क्यों ना करा लें।थक हारकर ऐसे लोगों को साधू-संतों का सहारा लेना पड़ जाता है।इस प्रकार की समस्या भोग रहे लोगों के लिए योग काफी सही और सफलतम साधन बन कर उभरा है।आइए जानते हैं इस बारे कुछ उपयोगी टिप्स।

प्राचीन भारतीय पद्धति योग को लेकर किए गए एक नए अध्यन से पता चला है सप्ताह में एक बार योग आपको पीठ के निचले हिस्से के दर्द से राहत दिला सकता है।अमेरिका के एक विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताह में एक बार योग करने से पीठ के दर्द से उसी तरह राहत मिल सकती है और दर्दनाशक दवाओं पर निर्भरता कम हो सकती है।पूर्व के अध्ययनों में कहा गया था कि योग पीठ के निचले भाग में उठने वाले तेज दर्द के इलाज के लिए लाभकारी हो सकता है लेकिन कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि यह कुछ खास आबादी के लिए यह उपयोगी है।इस अध्ययन के लेखक द्वारा कहा गया है कि पीठ के निचले भाग में दर्द अक्सर कम आय वाले मरीजों को होता है क्योंकि उनके पास इलाज के लिए न तो पर्याप्त रकम होती है और न ही योग, मालिश या एक्यूपंक्चर जैसे इलाज तक उनकी पर्याप्त पहुंच होती हैं। उनके अनुसार, अगर ऐसे मरीज सप्ताह में एक बार योग करें तो उन्हें समुचित लाभ हो सकता है। साथ ही दैनिक कामकाज करने की उनकी क्षमता में भी सुधार हो सकता है।

हमेशा जवां दिखने के लिए जरूरी है पूरी नींद

आप अगर हमेशा युवा दिखना हैं तो आपको पूरी नींद लेनी होगी। अन्यथा आपकी त्वचा समय से पहले बूढ़ी होने लगेगी और आप उम्रदराज नजर आने लगेंगे। यह दावा अमेरिका के युनिवर्सिटी हॉस्पीटल्स केस मेडिकल सेंटर के फिजिशियन और वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक शोध में किया गया है। उन्होंने पाया कि नींद त्वचा के कामकाज तथा उसकी उम्र को भी प्रभावित करती है। इसके अनुसार कम नींद लेने वालों की त्वचा समय से पूर्व बूढ़ी होने लगती है और उनमें अल्ट्रावायलट विकिरणों सहित पर्यावरण के अन्य नकारात्मक प्रभावों से जल्द मुक्त होने की क्षमता भी नहीं रहती।यह शोध युनिवर्सिटी हॉस्पीटल्स केस मेडिकल सेंटर में त्वचा अध्ययन केंद्र के निदेशक व मुख्य शोधकर्ता एल्मा बैरन के नेतृत्व में हुआ।

बैरन ने अपने आंकड़े हाल ही में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हुए इंटनेशनल इंवेस्टिगेटिव डर्मेटोलॉजी मीटिंग में इफेक्ट्स ऑफ स्लीप क्वालिटी ऑन स्किन एजिंग एंड फंक्शन शीर्षक से पेश किए। बैरन केस वेस्टर्न रिजर्व युनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के त्वचा रोग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शोध में पहली बार दिखाया गया है कि कम नींद लेने से त्वचा पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। शोध से, कम सोने वाली महिलाओं की त्वचा के समय से पहले कांतिहीन होने और धूप के संपर्क में आने के बाद उस पर पड़ने वाले असर से निपटने की क्षमता में कमी का पता चलता है।

गंजेपन से जुड़ी बातें हैं आपका भ्रम

अक्सर लोग अपने बालों के झड़ने से परेशान रहते हैं। कई बार तो यह समस्या उन्हें गंजा तक बना देती है। देखा जाए तो आज के इस परिवेश में बालों का गिरना और गंजापन सामान्य सा दिखता है। लेकिन जितना यह सामान्य दिखता है उतना ही यह चिंता का विषय भी है।

कई बार गंजेपन से जुड़ी हम ऐसी धारणाएं मन में पाल लेते हैं जो महज हमारा भ्रम ही है। जबकि उनका वास्तविक आधार कुछ है ही नहीं। ऐसे में अगर आप गंजेपन को रोकने की कोशिश में जुटे हैं तो इन मिथ पर जरूर गौर करें और इनकी असलियत पहचानें।

टोपी पहनने से बाल झड़ते हैं

कई बार लोगों का मानना होता है कि टोपी अधिक पहनने से बालों को भरपूर पोषण नहीं मिलता है और बाल झड़ने लगते हैं। सच यह है कि बालों तक पोषक तत्व रक्त से पहुंचते हैं और इसका बाहरी हवा से कोई संबंध नहीं है।

अधिक शैंपू यानी अधिक हेयरफॉल

शैंपू करते वक्त ढेर सारे बाल गिरें तो इसका मतलब यह कतई नहीं कि शैंपू से गंजापन हो सकता है। कई बार आपके टूटे और कमजोर बालों को सिर से निकालने का काम भी शैंपू करता है। शैंपू का काम सिर्फ बाल साफ करना है, इसका बालों की लंबाई व घने होने से कोई संबंध नहीं है।

हेयरस्प्रे या जेल से बाल झड़ते हैं

इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि हेयर स्प्रे या जेल से बाल झड़ेंगे। अगर आप अच्छी क्वालिटी का हेयरजेल या स्प्रे इस्तेमाल करेंगे तो इससे बालों को कोई नुकसान नहीं है क्योंकि जेल बालों की जड़ों में नहीं लगाते बल्कि बालों पर लगाते हैं। इससे न तो बालों की लंबाई पर फर्क पड़ता है और न ही बाल झड़ते हैं।

मां से ही मिलता है गंजापन

गंजापन अनुवांशिक हो सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह सिर्फ मां की तरफ से होगा। आपके पिता की ओर के रिश्तेदारों से ही आप में इसके जीन्स आ सकते हैं।

बाल कटवाने से घने होते हैं

बार-बार बाल कटवाने या सिर मुडवाने से बाल घने नहीं होते बल्कि यह सिर्फ हमारा भ्रम है। छोटे बाल मोटे या घने इसलिए लगते हैं क्योंकि ये सिर का घुमाव चौड़ा लगता है जिससे बालों का घनत्व अधिक दिखता है।

दिल की बिमारी से बचाते है ड्राई फ्रूट्स

भारत में श्रावण के महीने से त्यौहार शुरू हो जाता हैं। इन महीनों में कई प्रकार के पर्व आते हैं। जिसमें लजीज और मनभावक पकवान खाने को मिलते है।जिसमें ड्राई फ्रूट्स की भूमिका अहम होती है।वैसे तो ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद

होता है।कमजोरी होने पर इनका सेवन करना अच्छा हो सकता है। ऐसा डाइटीशियन्स का कहना है। उनके अनुसार मेवो को सुपर फूड्स कहा जाए तो गलत न होगा। मेवे महत्वपूर्ण पोषक तत्व ओमेगा-3 फैटी एसिड के प्रमुख स्रोत हैं और ये रक्त में कोलेस्ट्राल को नियंत्रित रखते हैं। इन्हें नाश्ते के रूप में भी लिया जा सकता है।इससे एक अलग जायका मिलेगा। साथ ही सेहत भी सही रहेगी। कई अध्ययनों से यह पता चला है कि कि अनप्रोसेस्ड नट्स का सप्ताह में तीन-चार बार सेवन करने से हृदय रोग होने का खतरा 25 फीसदी कम हो जाता है। यही नहीं यदि आप लंबे अर्से से कमजोरी व थकान की शिकायत से ग्रस्त हैं तो आपके लिए नट्स का सेवन लाभप्रद रहेगा। डाइटीशियन्स के अनुसार नट्स में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ही नहीं, बल्कि मस्तिष्क को भी तरोताजा रखते हैं। इनके सेवन से आपका मिजाज खुशनुमा बनता है। इनमें एंटी ऑक्सीडेंट व कई विटामिन्स पाए जाते हैं, जो बढ़ती उम्र में भी आपको चुस्त-दुरूस्त रखते हैं।मेवों में प्रोटीन भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। प्रोटीन विभिन्न अंगों, मांसपेशियों, एंटीबॉडीज, हार्मोस और विभिन्न एंजाइमों के निर्माण में सहायक होता है। इसमे में पर्याप्त मात्रा में जिंक भी पाया जाता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूनेस्को ने गरबा को सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी

जिनेवा। यूनेस्को ने गुजरात के नृत्य गरबा को मानवता की एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएचएच) घोषित किया है। गरबा आईसीएचएच सूची के साथ-साथ नवरोज़ में भारत के 12 लोगों में शामिल हो गया है, जिसे अन्य देशों के साथ साझा किया जाता है। भारत की सूची में वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा, छाऊ नृत्य, केरल का मुडियेट्टू नृत्य नाटक, रामलीला प्रदर्शन, लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार और दुर्गा पूजा शामिल हैं। समिति ने बुधवार को ढाका में रिक्शा और रिक्शा पेंटिंग को भी मान्यता दी। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर सरकारी समिति ने बुधवार को बोत्सवाना के कसाने में अपनी बैठक में गरबा को अपनी आईसीएचएच सूची में शामिल करने का निर्णय लिया। यूनेस्को ने कहा कि बढ़ते वैश्वीकरण के सामने सांस्कृतिक विविधता बनाए रखने में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एक महत्वपूर्ण कारक है और विभिन्न समुदायों की ओर से इसकी समझ अंतर-सांस्कृतिक संवाद और जीवन के अन्य तरीकों के लिए पारस्परिक सम्मान में मदद करती है। इसमें कहा गया है कि दशकों से गरबा भारत और दुनिया भर में भारतीय प्रवासियों के बीच गुजराती संस्कृति का एक अभिन्न, बहुसंख्यक घटक रहा है। यूनेस्को ने कहा कि नवरात्रि उत्सव के नौ दिनों के दौरान गरबा किया जाता है जो स्त्री ऊर्जा या शक्ति की पूजा के लिए समर्पित है। इसमें कहा गया, इस स्त्री ऊर्जा की दृश्य अभिव्यक्ति गरबा नृत्य के माध्यम से व्यक्त की जाती है। यूनेस्को ने कहा, एक धार्मिक अनुष्ठान होने के अलावा, गरबा सामाजिक-आर्थिक, लिंग और कठोर संप्रदाय संरचनाओं को कमजोर करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है। यह विविध और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा समावेशी और भागीदारीपूर्ण बना हुआ है, जिससे सामुदायिक बंधन मजबूत हो रहे हैं। नई दिल्ली में यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक टिम कर्टिस ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह इस परंपरा की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने में मदद करेगा और समुदाय, विशेष रूप से युवाओं को गरबा से जुड़े ज्ञान, कौशल और मौखिक परंपराओं को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा।

बांग्लादेश से निकले 400 रोहिंग्याओं की जान संकट में

-दो बड़ी नावों में सवार ये लोग अंडमान सागर में फंसे

वॉशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने बांग्लादेश से नाव लेकर अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों के बचाव को लेकर चेतावनी जारी की गई है। बताया जा रहा है कि ये सभी 400 लोग दो बड़ी नावों में सवार होकर बांग्लादेश से निकले थे। ये सभी लोग संकट में फंस गए हैं। इनके पास खाने-पीने का सामान भी अब नहीं बचा है । एजेंसी के क्षेत्रीय प्रवक्ता बाबर बलूच ने चिंता जाहिर करते हुए कि अगर इन लोगों को नहीं बचाया गया तो नाव पर सवार सभी लोग मर सकते हैं। उन्होंने बताया, 'अगर इन लोगों को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया तो लगभग 400 बच्चे, महिलाएं और पुरुषों की मौत हो सकती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से रवाना हुई नावें लगभग दो सप्ताह से समुद्र में होने की सूचना है। शनिवार को एपी द्वारा संपर्क किए गए एक नाव के कप्तान ने कहा कि उसमें 180 से 190 लोग सवार थे, उनके पास भोजन और पानी नहीं था और इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था। कैप्टन मान नोकिम ने कहा, 'वे चिंतित हैं कि वे सभी मरने वाले हैं।' रविवार को, नोकिम ने कहा कि नाव थाईलैंड के पश्चिमी तट से 320 किलोमीटर (200 मील) दूर थी। सोमवार को संपर्क करने पर थाई नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें नावों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बलूच ने कहा कि यह स्थान इंडोनेशिया के सबसे उत्तरी प्रांत आचे से सुमात्रा द्वीप पर लगभग इतनी ही दूरी पर है, जहां शनिवार को 139 लोगों के साथ एक और नाव उतरी थी। उन्होंने कहा कि उनमें 58 बच्चे, 45 महिलाएं और 36 पुरुष शामिल हैं, जो समुद्री यात्रा करने वालों के विशिष्ट संतुलन को दर्शाता है। पिछले महीने सैकड़ों लोग आचे पहुंचे। बता दें कि ये रोहिंग्या आमतौर पर बांग्लादेश में भीड़भाड़ वाले शरणार्थी शिविरों से आते हैं। अगस्त 2017 से लगभग 740,000 रोहिंग्या मुसलमान बौद्ध-बहुल म्यांमार से भागकर बांग्लादेश के शिविरों में आ चुके हैं। म्यांमार के सुरक्षा बलों पर सामूहिक बलात्कार, हत्याओं और हजारों रोहिंग्या घरों को जलाने का आरोप लगाया गया है।

दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की मुलाकात शनिवार को

सियोल । दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते सैन्य खतरे और अन्य क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इस सप्ताह सियोल में मुलाकात करने वाले हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि उसके राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय के निदेशक चो ताइ-योंग शनिवार को सियोल में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिवालय के महासचिव ताकियो अकीबा के साथ उत्तर कोरिया और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा व्यापार से जुड़े अन्य मामलों पर गहन चर्चा के लिए त्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी करने वाले हैं। चो शुक्रवार को सुलिवान और अकीबा के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करने वाले हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि बैठकें ''परस्पर चिंता के क्षेत्रीय मुद्दों, खासतौर से सुरक्षा के माहौल पर चर्चा के मजबूत एजेंड से प्रेरित होंगी। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि उत्तर कोरिया पर चर्चा के विषयों में उसके पहले सैन्य टोही उपग्रह का हाल में हुआ प्रक्षेपण भी शामिल होगा जिसे उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अहम बताते हैं।

जर्मनी में भारी बर्फबारी से यातायात दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत

बर्लिन । जर्मनी में भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड को यातायात दुर्घटना का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जर्मनी में हाल में हुए यातायात दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई तथा खराब मौसम के कारण म्यूनिख हवाई अड्डे ने अस्थाई रूप से उड़ाने निलंबित कर दीं। पुलिस ने कहा कि एर्जगेबिर्ज पहाड़ों पर एक स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक छात्र की मौत हो गई तथा कम से कम दस अन्य स्कूली बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में बस चालक सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस चेक सीमा के पास सेहमताल काउंटी में एक शीतकालीन सड़क रखरखाव वाहन से टकरा गई, जिसके बाद वह एक पेड़ से जा टकराया। इसने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के आगे का हिस्सा पूरी तरह से नष्ट हो गया। म्यूनिख में सुबह छह बजे से दोपहर (0500-1100 जीमटी) के बीच सभी उड़ानें या तब रद्द कर दी गईं या फिर स्थगित कर दी गईं। अपर बवेरिया में ए-8 राजमार्ग पर एक कार और ट्रैक्टर के बीच टक्कर में दो अन्य लोगों की मौत हो गई। डीपीए ने पुलिस के हवाले से बताया कि उनकी कार एक ट्रक के पिछले हिस्से के नीचे घुस गई, जो राजमार्ग की सतह पर जमी बारिश के कारण सोमवार से मंगलवार तक रातभर राजमार्ग पर रुका हुआ था।

सूरज के अंदर इतना बड़ा गड्ढा, 60 पृथ्वी समा जाएं , नासा की रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन । भारत ने सूरज को स्टडी करने के लिए अपना पहला मिशन आदित्य एल-1 भेजा है, जो अगले साल जनवरी में अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा। इस बीच नासा द्वारा सूर्य को लेकर की जा रही स्टडी के दौरान चौंकाने वाली बात सामने आई है। दावा हैं कि सूरज की सतह पर आठ लाख किलोमीटर बड़ा गड्ढा हो गया है। इस छेद की की चौड़ाई इतनी बड़ी है, जिसमें 60 पृथ्वी समा सकती हैं। नासा ने छेद को 'कोरोनल होल' नाम दिया है। खगोलशास्त्रियों का कहना है कि इस कोरोनल होल से सोलर विंड पृथ्वी की तरफ आ रही हैं, जिसके चलते पृथ्वी का रेडियो और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम टूट भी सकता है। खगोलशास्त्री बता रहे हैं कि कोरोनल छेद एक दिन के भीतर अपने चरम आकार तक पहुंच गया और 4 दिसंबर से शुरू होकर सीधे पृथ्वी का सामना कर रहा है। ये छेद असामान्य नहीं हैं, लेकिन इसके पैमाने और समय ने वैज्ञानिक समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि यह तब होता है जब सूर्य अपने 11-वर्षीय गतिविधि चक्र के चरम पर पहुंचता है, जिसे सौर अधिकतम के रूप में जाना जाता है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2024 में इसका अंत हो सकता है। शुरुआत में ऐसी चिंताएं थीं कि सौर हवाएं जो 500-800 किलोमीटर प्रति सेकंड के बीच यात्रा कर सकती हैं। ये एक मध्यम जी2 भू-चुंबकीय तूफान को प्रेरित कर सकती हैं, जिससे संभावित रूप से रेडियो ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो जाए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कीव, यूक्रेन में यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच, यूक्रेनी सशस्त्र बल दिवस पर एक सेवा सदस्य को युद्ध ध्वज सौंपा।

पीएम सुनक के इमीग्रेशन मंत्री ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन के इमीग्रेशन (आव्रजन) मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजने की सरकार की रवांडा नीति पर ''गहरी असहमति व्यक्त कर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। जेनरिक को हाल तक सुनक के सहयोगी के तौर पर देखा जाता था। जेनरिक ने कहा कि उन्होंने महसूस किया कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली द्वारा संसदीय बयान में प्रस्तुत आपातकालीन विधेयक 'कानूनी चुनौतियों को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। सुनक ने उनके इस्तीफे पर कहा कि वह 'निराश हैं, लेकिन पद छोड़ने का उनका तर्क 'स्थिति की बुनियादी गलतफहमी पर आधारित है। जेनरिक ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'बेहद दुख के साथ मैंने आव्रजन मंत्री के रूप में अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को दे दिया है। उन्होंने कहा, सरकार की नीति को लेकर जब मेरी इतनी गहरी असहमति है, तब मैं अपने पद पर नहीं बने रह सकता। जेनरिक ने कहा कि इंग्लिश चैनल को पार करने वाली छोटी नौकाएं देश को 'अनजाने में नुकसान पहुंचा रही हैं और सरकार को 'राष्ट्रीय हितों को अंतरराष्ट्रीय कानून के अत्यधिक विवादित बयानों से ऊपर रखने की जरूरत है। उन्होंने बुधवार को सुनक को लिखे अपने इस्तीफे में लिखा, 'मैंने लगातार एक स्पष्ट कानून की वकालत की है जो घरेलू और विदेशी अदालतों के लिए नीति की प्रभावशीलता को अवरुद्ध करने या कम करने के अवसरों को गंभीर रूप से सीमित करता है। अपने जवाब में प्रधानमंत्री सुनक ने कहा कि कि नया विधेयक ''ब्रिटेन सरकार द्वारा अब तक पेश किया गया सबसे कठिन अवैध प्रवासन कानून होगा। उन्होंने कहा, 'रवांडा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसे कानून पर आधारित ब्रिटेन की इस योजना को स्वीकार नहीं करेगी जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून दायित्वों का उल्लंघन माना जा सकता है। समझौता यह सुनिश्चित करता है कि रवांडा भेजे गए लोगों को ऐसे देश में स्थानांतरित करने का खतरा नहीं होगा जहां उनके जीवन या स्वतंत्रता को खतरा हो।

इजराइल से जंग में हमास के वरिष्ठ नेता ने पाकिस्तान से मांगी मदद

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास के वरिष्ठ नेता और आतंकवादी समूह के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह ने कथित तौर पर इजराइल के साथ चल रहे युद्ध में पाकिस्तान से मदद मांगी है। पाकिस्तान मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान को बहादुर बताकर उन्होंने कहा कि अगर इजरायल को पाकिस्तान के प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है,तब क्रूरता का अपराध बंद हो सकता है। हमास के लिए पाकिस्तान के समर्थन की आशा व्यक्त करते हुए, हनियेह ने देश को मुजाहिदीन (इस्लाम के लिए लड़ने वाले लोग) की भूमि कहा।

रिपोर्ट के अनुसार, चल रहे इजरायल-हमास युद्ध में फिलिस्तीनियों द्वारा किए गए बलिदान को रेखांकित करते हुए, हनियेह ने कहा कि पाकिस्तान की ताकत संभावित रूप से संघर्ष को रोक सकती है।

हमास के शीर्ष नेता ने पवित्र कुरान का बारीकी से पालन करने वाले देशों के बीच गाजा पट्टी में इजरायल के हमले का विरोध करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लगभग 16,000 फिलिस्तीनियों की गिरफ्तारी और पवित्र स्थलों को अपवित्र करने सहित इजरायल की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय शर्तों का उल्लंघन थी।

इस्माइल हानियेह ने भी फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे में वृद्धि का हवाला देकर ओस्लो समझौते के कार्यान्वयन न होने पर निराशा व्यक्त की। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने हमास के 7 अक्टूबर के

हमले को भी सही ठहराया और इस आत्मरक्षा बताकर कहा कि इसने इजरायल की कब्जे की योजना को रोक दिया।

हानियेह ने कहा कि फिलिस्तीनियों को पाकिस्तान से उच्च उम्मीदें हैं और देश की ताकत पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमास इजरायल के सबसे उन्नत हथियारों का मुकाबला कर रहा है, और इजरायल के इरादों को पटरी से उतारने में फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह की सफलता के बारे में दृढ़ संकल्प दिखाया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने भाषण में यहूदियों को दुनिया भर के सभी मुसलमानों का सबसे बड़ा दुश्मन भी कहा। युद्ध शुरू होने के बाद से ही हनियेह हमास का सख्त बात करने वाला चेहरा रहा है। 1962 में गाजा के अल-शती शरणार्थी शिविर में जन्मे उनके माता-पिता 1948 के अरब-इजरायल युद्ध के दौरान अपना घर छोड़कर भाग गए थे। हमास नेता अब कतर में स्थित हैं।

अपने कॉलेज के दिनों से ही हमास से जुड़े हनिएह को 1997 में आतंकवादी समूह का प्रमुख नियुक्त किया गया था। तब से, वह रैंकों में आगे बढ़े और उस समूह के प्रमुख भी थे जिसने 2006 में फिलिस्तीनी विधायी चुनाव जीता और प्रधान मंत्री बने। फिलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के अध्यक्ष महमूद अब्बास ने जून 2007 में फतह-हमास संघर्ष के चरम पर इस्माइल हानियेह को बर्खास्त कर दिया, लेकिन हमास नेता ने आदेश को स्वीकार नहीं किया और गाजा में प्रधान मंत्री पद का प्रयोग जारी रखा, दोनों में से एक बन गए। 7 अक्टूबर के क्रूर हमले के बाद, सामने आए फुटेज में हनीयेह को हमास के अन्य अधिकारियों के साथ नरसंहार का जश्न मनाते और मनाते हुए दिखाया गया है। गाजा में हनिएह का घर पिछले महीने इजरायली युद्धक विमानों ने नष्ट कर दिया था। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब गुरुवार को इजराइल-हमास युद्ध को दो महीने हो गए। हमास के 7 अक्टूबर के हमले के जवाब में इजराइल ने गाजा में चौतरफा हमला शुरू कर दिया है, जिसमें 1,000 से अधिक इज़राइलियों की जान चली गई थी। आतंकवादी समूह 200 से अधिक बंधकों को भी अपने साथ गाजा पट्टी ले गया, जिनमें से 80 से अधिक - विदेशी नागरिकों सहित - को हाल ही में इज़राइल के साथ सात दिवसीय संघर्ष विराम के दौरान रिहा कर दिया गया था।

बढ़ती महंगाई से विद्यार्थियों की शिक्षा, पोषण जैसी बुनियादी जरुरतें प्रभावित

- पेरेंटकाइन रिपोर्ट में 2 लाख, 73 हजार अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने में असमर्थ

लंदन (एजेंसी)। बढ़ती महंगाई ने यूके के नागरिकों का जीवन दूभर कर दिया है। इसके चलते संभ्रान्त परिवारों की आय में भी हो रही गिरावट के कारण संतानों को आवश्यक शिक्षा सुनिश्चित कराने जैसी बुनियादी जरुरतें प्रभावित हुई हैं।

यूनाइटेड किंग्डम की पेरेंटिंग चैरिटी संस्था पेरेंटकाइन के हाल ही के सर्वे रिपोर्ट में बताया गया कि देश में 5 से 11 साल की आयु के करीब 1 लाख विद्यार्थियों आवश्यक पुस्तकें क्रय करने में असमर्थ हैं। सर्वे में 3067 इंगलैंड वासी अभिभावकों में से 14 फीसदी ने बताया कि बच्चों की शिक्षा में बाधक तथ्यों की सरकार द्वारा उपेक्षा की जा रही है। सर्वे में बताया गया कि गणवेश की कीमतें 50 फीसदी बढ़ने से यू.के. के 28 लाख विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं।

देश में स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों के लगाए जाने वाले ट्रिप भी 44 फीसदी महंगे हो जाने से विद्यार्थियों का पोषण प्रभावित हुआ है। ऐसे में 61 फीसदी अभिभावक यूनिफार्म की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं जबकि स्कूल के ट्रिप पर होने वाले सहचर्चा से 52 फीसदी अभिभावक परेशान हैं।

सर्वे में कहा गया है कि 25 फीसदी लोग महंगाई के कारण अपने बच्चों को स्कूल भेजने के मामले में संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से करीब 2 लाख 73 हजार बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें साल में महज दो बार स्कूल भेजा गया। 55 प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि वे अपने बच्चों को रोजाना विद्यालय भेज रहे है, जबकि 38 फीसदी अभिभावक सप्ताह में एक बार वहीं 6 फीसदी अभिभावक महीने में एक बार ही बच्चों को स्कूल भेजने में समर्थ हैं। 48 फीसदी अभिभावकों का मानना है कि उनके बच्चों का भविष्य अच्छा होगा, जबकि 41 फीसदी अभिभावक आने वाले समय में बच्चों के बेहतर भविष्य की अपेक्षा रखते हैं।

पेरेंटकाइन सर्वे एजेंसी के सी.ई.ओ. और पूर्व अध्यापक जैसन एल्सम ने कहा कि सर्वे के भयावह परिणामों से देश के राजनीतिज्ञों को सचेत होना चाहिए।

चीन की झील में दिखाई दी जलपरी जैसी मछली

-इंसानों से मिलता-जुलता चेहरा है इस मछली का

वॉशिंगटन (एजेंसी)। आपने शायद ही कभी कोई ऐसी मछली देखी होगी, जिसका चेहरा इंसानों से मिलता-जुलता हो। चीन की एक झील में बिल्कुल जलपरी जैसी एक मछली दिखाई दी है। इसका शरीर तो मछलियों जैसा है, लेकिन बिल्कुल इंसानों जैसा है। लोग इसे तैरता देखकर हैरान हो रहे हैं।

आखिर क्या है इस जीव की सच्चाई। इस अजीबोगरीब सी मछली को चीन के सरोवर में देखा गया है। दक्षिण चीन के कुनमिंग के पास एक गांव में ये मछली दिखी, जिसका लोगों ने वीडियो बना लिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2019 में ये वीडियो बनाया गया था, जिसमें मछली झील के किनारे की ओर आती हुई दिख रही है। उसका चेहरा बीच-बीच पानी से ऊपर भी आता है। उसके सिर पर काले धब्बे हैं, जो इंसानी आंखों की तरह लग रहे हैं। दो सीधी लाइनें नाक के पास बनी हुई हैं, वहीं एक आड़ी लाइन इस तरह बनी है, जो मुंह की तरह लग रही है। मछली को देखने के बाद लोग सोशल मीडिया पर लिखा है कि ये काफी डरावनी है तो वहीं कुछ यूज़र्स का ये भी कहना था कि ये जलपरी बन गई है।

सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म्स पर इसे शेयर गया और देखने वाले सिर्फ यही कह रहे थे कि इसे खाने की हिम्मत कौन करेगा? कुछ ने तो इसे एलियन भी बता दिया और इसकी कीमत 42 लाख रुपये से भी ऊपर लगाई गई है। बता दें कि दुनिया में मछलियों की अलग-अलग प्रजातियां पाई जाती हैं। कोई मछली छोटी ही होती है तो कोई काफी बड़ी हो जाती है। कुछ मछलियां ऐसी भी हैं, जिनके मुंह के अंदर बिल्कुल इंसानों की तरह दांत और जबड़े होते हैं।

अमेरिका के लिए चीन की जासूसी करने का लगा था किन गैंग पर आरोप, 6 महीने से लापता पूर्व चीनी विदेश मंत्री की मौत, जिनपिंग ने करवायी हत्या?

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन में तानाशाही चरम पर है। वहां पर कई अधिकारी और मंत्री गायब हो चुके है। शी को जिस से खतरा मेहसूस होता है वह उन्हें गायब करवा देते हैं। चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग के गायब होने के बाद चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू के साथ कई और हाई प्रोफाइल ऑफिशियल?स गायब हो चुके हैं। किन गैंग को लेकर कई बार चीनी सरकार पर आरोप लगा कि उन्हें मरवा डाला गया है। किन गैंग पर अमेरिका की जासूसी करने का भी आरोप लगाया गया था। अब यह पुष्टी की जा रही है कि टॉर्चर करके किन गैंग को मार डाला गया है और इसे सुसाइड का मुखौटा पहना दिया गया है। आखिर इनकी मौत कैसे हुई उसे लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं है।

चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग जिन्हें जुलाई में उनके पद से हटा दिया गया था, उनकी कथित तौर पर आत्महत्या या यातना से मृत्यु हो गई है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष चीनी अधिकारियों तक पहुंच रखने वाले दो लोगों ने दावा किया है कि जुलाई

के अंत में बीजिंग के एक सैन्य अस्पताल में किन की मृत्यु हो गई। कथित तौर पर यह अस्पताल देश के शीर्ष नेताओं का इलाज करता है। इससे पहले, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत रहने के दौरान किन के विवाहेतर संबंध थे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व विदेश मंत्री जांच में सहयोग कर रहे थे, जो इस बात पर केंद्रित था कि क्या मामले या किन के आचरण ने चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ चीनी अधिकारियों को बताया गया कि आंतरिक कम्युनिस्ट पार्टी की जांच में पाया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में चीन के राजदूत के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान किन इस मामले में संलिप्त थे। दो सूत्रों ने अखबार को बताया कि इस मामले के परिणामस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बच्चे का जन्म हुआ। इसके अलावा, जुलाई में, नौकरी में बमुश्किल आधे साल के लिए कर्तव्यों से एक महीने की रहस्यमय अनुपस्थिति के बाद किन को विदेश मंत्री के रूप में अनुभवी राजनयिक वांग यी द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। वह जुलाई 2021 से इस साल जनवरी तक वाशिंगटन में चीन के शीर्ष दूत थे। पूर्व विदेश मंत्री मई में गोवा में हुई एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल हुए थे। उन्हें अंतिम बार 25 जून को रूसी, श्रीलंका और वियतनामी अफसरों के साथ बैठक में देखे गए थे। इसके बाद से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं दिखे। ईंट का जवाब पत्थर से देने वाले कूटनीतिज्ञ के रूप में मशहूर क्विन गेंग दिसंबर 2022 में चीन के विदेश मंत्री बने थे। गेंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था।

इजरायली महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म पर भड़के नेतन्याहू बोले- अब चुप क्यों है दुनिया

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग के दौरान महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। उनके साथ जुल्म हो रहे है और दुष्कर्म किया जा रहा है। इस अत्याचार का शिकार इजरायली महिलाएं हो रही हैं। अब मानवाधिकार संगठन और आतंकियों की पैरवी करने वाले चुप क्यों हैं। ये सवाल इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों निशाना साधते हुए किए है। पीएम नेतन्याहू ने महिलाओं पर हमास आतंकियों के किए जुल्म पर चुप्पी साधने के लिए महिला संगठनों और संयुक्त राष्ट्र की कड़ी आलोचना की है।

नेतन्याहू ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि मैं महिला अधिकार संगठनों, मानवाधिकार संगठनों से कहता हूं, आपने इजराइली महिलाओं के बलात्कार, भयानक अत्याचार, यौन उत्पीड़न के बारे में सुना है, लेकिन आप कहां हैं? मैं सभी नेताओं, सरकारों, देशों से अपेक्षा करता हूं कि वे इस अत्याचार के खिलाफ बोलें। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया भर के महिला अधिकार संगठनों को संबोधित करते हुए उन पर हमास आतंकवादियों द्वारा महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न पर आंखें मूंदने का आरोप लगाया। 7 अक्टूबर को इपराइल में एक आउटडोर संगीत समारोह पर हमास के हमले के दौरान एक गड्ढे में छिपे एक व्यक्ति ने कहा कि उसने पास में किसी को चिल्लाते हुए सुना कि उसके साथ बलात्कार किया जा रहा है। साथ ही एक इजराइली अधिकार समूह के पहले आकलन से पता चलता है कि यौन हमला हमास और अन्य गाजा आतंकवादियों द्वारा किए गए अत्याचार से भरे क्रोध का हिस्सा था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे, और उस दिन 240 से अधिक बंधक बना लिए गए थे। जबकि जांचकर्ता अभी भी यौन हमलों के दायरे को निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं, इज़राइल की सरकार अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र पर इज़राइली पीड़ितों के दर्द को नजरअंदाज करने का आरोप लगा रही है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संवाददाता सम्मेलन में अपनी बात पर जोर देने के लिए अंग्रेजी का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि मैं महिला अधिकार संगठनों, मानवाधिकार संगठनों से कहता हूं, आपने इजराइली महिलाओं के बलात्कार, भयानक अत्याचार, यौन उत्पीड़न के बारे में सुना है लेकिन आप कहां हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यौन हिंसा की रिपोर्टों को भयावह कहा और दुनिया से अकल्पनीय क्रूरता की निंदा करने का आग्रह किया। बता दें कि दक्षिणी इजराइल में संगीत समारोह, कृषक समुदायों और सेना चौकियों पर हमास के हमलों के दो महीने बाद, पुलिस अभी भी टुकड़ों को एक साथ रखने के लिए संघर्ष कर रही है। हमलों के तुरंत बाद शवों की पहचान करने को प्राथमिकता दी गई, न कि सबूत सुरक्षित रखने को। पुलिस का कहना है कि वे अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हमास हमलावरों के शरीर के कैमरों, सोशल मीडिया और सुरक्षा कैमरों से जब्त किए गए 60,000 वीडियो के साथ-साथ 1,000 गवाहियों की जांच कर रहे हैं। बलात्कार से बचे लोगों को ढूंढना मुश्किल हो गया है, कई पीड़ितों को उनके हमलावरों ने मार डाला है।

ग्रुप फिजिशियन्स फॉर ह्यूमन राइट्स इज़राइल, जिसके पास गाजा में इजराइल की लंबे समय से नाकाबंदी के तहत पीड़ित फिलिस्तीनी नागरिकों की वकालत करने का रिकॉर्ड है, ने नवंबर में एक प्रारंभिक मूल्यांकन प्रकाशित किया था। वहीं हमास ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है कि उसके बंदूकधारियों ने यौन उत्पीड़न किया है। हालांकि एक युद्ध चिकित्सक ने बताया कि जब वह हमला किए गए समुदायों में से एक में पहुंचा तो उसे आधा दर्जन महिलाओं और पुरुषों के शव मिले, जिनमें यौन उत्पीड़न के संभावित लक्षण थे। ओपन-सोर्स जानकारी और साक्षात्कारों के आधार पर, ह्यूमन राइट्स इज़राइल के चिकित्सक संगीत समारोह, गाजा पट्टी के आसपास के घरों और एक इजराइली सैन्य अड्डे पर हमास द्वारा हमला किए गए घटनाओं के दस्तावेजों की रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया है, 'यह और अधिक स्पष्ट होता जा रहा है कि महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के खिलाफ होने वाली हिंसा में व्यापक यौन और लिंग आधारित अपराध भी शामिल हैं।

नेतन्याहू और उनके युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्यों ने हाल ही में रिहा हुए बंधकों और गाजा में अभी भी बंधकों के परिवार के सदस्यों के साथ एक तनावपूर्ण और भावनात्मक बैठक की। प्रतिभागियों ने कहा कि हाल ही में रिहा किए गए कुछ बंधकों ने गाजा में अपने समय के दौरान यौन

शोषण की गवाही साझा की। अलग से, रिहा किए गए 110 बंधकों में से कुछ का इलाज करने वाले एक डॉक्टर ने एपी को बताया कि मुक्त किए गए लोगों में से कम से कम 10 पुरुषों और महिलाओं का यौन उत्पीड़न या दुर्व्यवहार किया गया था, लेकिन उन्होंने अधिक विवरण नहीं दिया। उन्होंने बंधकों की पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह बात कही। इजराइली सेना के अनुसार, 15 महिलाओं सहित 138 बंधक अभी भी गाजा में हमास और अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा रखे गए हैं। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेचट ने कहा कि सेना महिला बंधकों के खिलाफ यौन हिंसा को लेकर पूरी तरह से चिंतित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चाइनीज निमोनिया की भारत में दस्तक ?

नई दिल्ली । कोविड के बाद चीन में फैली रहस्यमयी बीमारी को लेकर जहां दुनिया में चिंता बढ़ी है तो वहीं भारत में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है । अब खबर यह है कि चाइनीज निमोनिया ने भारत में दस्तक दे दी है और इसके 7 मरीज एम्स में इलाज के लिए भर्ती बताए गए हैं । इस पर भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण भी जारी किया है । इससे पहले खबरों बतलाया गया कि चीन के अस्पतालों में माइकोप्लाज्मा निमोनिया से पीड़ित अनेक बच्चों का इलाज किया जा रहा है । इस बीमारी को वॉकिंग निमोनिया या व्हाइट लंग सिंड्रोम भी कहा गया है । हाल ही में इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल लेंसेट में एक स्टडी के हवाले से खबर चली कि चाइनीज निमोनिया ने भारत में भी दस्तक दी है । इस रिपोर्ट और एम्स में स्टडी करने वाले एक प्रमुख डॉक्टर का हवाला देते हुए कहा गया कि नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सितंबर 2022 से लेकर अप्रैल 2023 तक सात केस वॉकिंग निमोनिया यानि माइकोप्लाज्मा निमोनिया के दर्ज किये गए । इस रिपोर्ट के आधार पर बताया गया कि ये आंकड़े अलग-अलग सैंपलों की अलग-अलग जांच से सामने आए । वैसे इस पूरी रिपोर्ट के आधार पर चलाई गई खबरों को लेकर भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि दिल्ली एम्स में मिले बैक्टीरियल केसेज का चीन में हुए निमोनिया आउटब्रेक से कोई भी संबंध नहीं है । मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है । मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि माइकोप्लाज्मा निमोनिया समुदाय से प्राप्त होने वाले निमोनिया का सबसे कॉमन बैक्टीरियल कारण है । इस प्रकार दिल्ली एम्स में मिले निमोनिया के मामलों को चीन की बीमारी से जोड़ कर देखना ठीक नहीं बताया गया है ।

आठ भारतीय मछुआरों को श्रीलंका नौसेना ने किया गिरफ्तार

चेन्नई । श्रीलंका नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है । मिली जानकारी के अनुसार चक्रवात मिचौंग के कारण आठ दिनों के अंतराल के बाद पहली बार मछली पकड़ने के लिए समुद्र में उतरे तमिलनाडु के आठ मछुआरों को गुरुवार तड़के श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया । मछुआरों को बुधवार की रात अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा पार करने और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में घुसने के आरोप में तथा रात समुद्र में जाने के बाद ऊंचे समुद्र में लाइन (आईएमबीएल) से गिरफ्तार किया गया । ये सभी मछुआरे रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के पंबन निवासी बताये जा रहे है । पुलिस ने कहा कि मछुआरे मंडपम के एम. उइर्राज की नाव पर सवार होकर समुद्र में उतरे थे । तब श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें घेर लिया और खींचकर ले गये और उनकी नाव भी जब्त कर ली गई है ।

राज कुंद्रा को राहत, पोर्नोग्राफी मामले में ईडी को नहीं मिला कोई ठोस सबूत

मुंबई । साल 2021 में प्रोड्यूसर राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्में और पोर्नोग्राफी बनाने का आरोप लगा था. इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था, वह कई दिनों तक जेल में भी रहे थे. राज कुंद्रा का पोर्नोग्राफी मामला काफी चर्चित रहा था. चर्चा थी कि शिल्पा शेट्टी और उनके रिश्ते में भी कड़वाहट आ गई है. लेकिन अब राज कुंद्रा मामले में एक बड़ी खबर ये सामने आई है कि उन्हें इस केस से क्लीन चिट मिलेगी. गौरतलब है कि जुलाई 2021 में उन्हें अश्लील पोर्नोग्राफी के एक मामले में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था. बाद में उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप लगाया गया जिसकी अभी भी जांच और कार्रवाई चल रही है. हाल ही में सामने आई जानकारी के मुताबिक ईडी को पोर्नोग्राफी मामले में राज कुंद्रा का कोई सीधा कनेक्शन नहीं मिला है. सूत्रों के मुताबिक, ईडी फिलहाल राज कुंद्रा के मनी लॉन्ड्रिंग केस पर फोकस कर रही है. इंग्लैंड स्थित कंपनी केनरिन, जो मनी लॉन्ड्रिंग में फंसी अन्य शैल कंपनियों से जुड़ी है, जांच में यह पता चला है कि राज कुंद्रा के बहनोई प्रदीप बख्शी केनरिन कंपनी के मालिक हैं । साथ ही हॉटशॉट ऐप का आधिकारिक प्रमोटर भी ईडी सूत्रों के मुताबिक, आर्म्स प्राइम मीडिया लिमिटेड के सीईओ सौरभ कुशवाहा ने कंपनी में निवेश के लिए जनवरी 2019 में राज कुंद्रा से संपर्क किया था. उनका रिश्ता उसी साल दिसंबर तक जारी रहा । ऐप बनाने के बाद हॉटशॉट को केनरिन को 25,000 डॉलर में बेच दिया गया । ईडी उनके बैंक लेनदेन की जांच कर रही है । राज कुंद्रा को भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध करने के बाद 19 जुलाई 2021 को गिरफ्तार किया गया था । मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एस.बी.भाजीपाले ने 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत अर्जी मंजूर कर ली । सरकारी वकील ने उनकी अर्जी का विरोध किया था. पुलिस ने आरोप पत्र में दावा किया था कि राज कुंद्रा मुख्य सूत्रधार थे. उनपर मुख्य आरोप यह था कि उन्होंने युवतियों का अश्लील वीडियो बनाकर और उन्हें बेचकर उनका यौन शोषण किया था । जमानत मिलने के बाद राज कुंद्रा काले हेलमेट में नजर आ रहे हैं । ऐसे में कई लोग उन्हें ट्रोल करते हैं. कई लोगों ने कहा कि अब चेहरा छुपाने का समय आ गया है. कुछ दिनों पहले उनके केस पर आधारित फिल्म यूटी 69 भी काफी चर्चा में रही थी.

देश में सड़क हादसों का शिकार हुए 32,000 पैदल यात्री

नई दिल्ली । सड़क हादसों में पैदल चल रहे व्यक्ति सबसे अधिक असुरक्षित होता है । भारत में करीब 32 हजार पैदल व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं । राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने इसकी जानकारी सदन के समक्ष रखकर सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की । राज्यसभा सांसद ने बताया कि सड़क पर होने वाले हादसों में 58 प्रतिशत दुर्घटनाएं पैदल चलने वाले व्यक्तियों की हो रही हैं । भारत में दुर्घटनाओं का यह आंकड़ा देखा जाए, तब 2022 में लगभग 32,825 पैदल चलने वाले व्यक्ति दुर्घटनाओं के शिकार हुए । सिन्हा ने बताया कि यह ग्लोबल ट्रेंड है, और इस प्रकार के हादसे पूरे विश्व में हो रहे हैं । उनके मुताबिक पूरी दुनिया में 1.2 मिलियन एक्सीडेंट होते हैं । सिन्हा ने बताया कि अमेरिका में वर्ष 2022 में 7500 एक्सीडेंट हुए हैं । बड़ी बात यह है कि अमेरिका में हुए ये सड़क हादसे वर्ष 2010 की तुलना में 77 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं । सिन्हा ने कहा कि पैदल चलने वालों का एक प्राकृतिक और मौलिक अधिकार होता है । जब नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण हो रहा है, तब उन स्थानों पर छोटे-छोटे व्यापारी, फल विक्रेता, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पहले से स्थित होते हैं । उन्होंने आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि मौजूदा तथ्यों के मुताबिक, पैदल चलने वालों में 31 प्रतिशत व्यक्ति कारोबारी कारणों से पैदल चलते हैं । राज्यसभा सांसद ने कहा कि इस संदर्भ में मैं सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा की मांग करता हूं । उन्होंने कहा कि सामान्य संदर्भ में जहां भी सड़क का चौड़ीकरण हो या विस्तारीकरण किया जाए, वहां उन स्थानों पर स्थानीयता को सुरक्षित रखा जाए । यानि स्थानीय लोग जो पैदल यात्रा करते हैं, परंपरागत तरीकों से यात्रा करते हैं, बैलगाड़ी से चलते हैं, घोड़ा गाड़ी से चलते हैं, टमटम से चलते हैं, उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा हमारा कर्तव्य है । सिन्हा ने राज्यसभा में कहा कि चूंकि नेशनल हाईवे बड़े-बड़े शहरों को जोड़ता है, इसलिए स्थानीय लोगों को असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए ।

मदरसों के वित्तस्रोत जांच के लिए एसआईटी गठित

– 2 वर्षों में मदरसों को 100 करोड़ की विदेशी फंडिंग

लखनऊ । मदरसों को मिलने वाली विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग संबंधी तथ्यों के मद्देनजर उत्तरप्रदेश सरकार ने मदरसों के वित्तीय स्रोतों की जांच के लिए 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है । पिछले 2 वर्षों में कई देशों से लगभग 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त करने के लिए अब तक 80 मदरसों की पहचान की गई है । वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि एसआईटी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मदरसों ने यह धनराशि किस मद में खर्च की और क्या इसमें कोई अनियमितता थी । राज्य में लगभग 24,000 मदरसे हैं, जिनमें से 16,500 से अधिक उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त हैं । मिली जानकारी के मुताबिक, एसआईटी का नेतृत्व कर रहे एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक मोहित अग्रवाल ने कहा कि हम देखेंगे कि विदेशी फंडिंग के माध्यम से प्राप्त धन को कैसे खर्च किया गया है । संक्षेप में यह जांचना है कि क्या पैसे का इस्तेमाल मदरसा चलाने या किसी अन्य गतिविधियों के लिए किया जा रहा है । अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जांच पूरी करने के लिए अभी तक कोई समय सीमा नहीं बताई गई है । सूत्रों ने बताया कि एसआईटी पहले ही अपने बोर्ड से पंजीकृत मदरसा का ब्योरा मांग चुकी है । योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले साल जिलाधिकारियों को गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था । बता दें कि 2 महीने के सर्वेक्षण के दौरान, 8,449 मदरसे ऐसे पाए गए जो राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं थे । नेपाल सीमा से सटे लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और बहराइच के अलावा आसपास के कई इलाकों में 1,000 से ज्यादा मदरसे चल रहे हैं । सूत्रों ने बताया कि पिछले कुछ सालों में इन इलाकों में मदरसों की संख्या तेजी से बढ़ी है ।

चक्रवाती तूफान मिचौंग ने मचाई तबाही, न दूध-पानी मिल रहा न बिजली बहाल

–अब तक 17 लोगों की मौत, टीमें जुटीं हुई हैं बचाव कार्य में

चैन्नई (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मिचौंग ने चेन्नई को भीषण तबाही के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। तूफान के कारण चैन्नई के साथ-साथ अन्य जिलों में भी जमकर बारिश हुई, जिसके कारण सड़कें और घर जलमग्न हो गए। यहां अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि न दूध मिल रहा न पीने का पानी ही उपलब्ध है। इसके साथ बिजली संकट की समस्या तक पैदा हो गई। वैसे तो मिचौंग अब कमजोर पड़ गया है लेकिन उसका असर अभी तक कई जिलों और इलाकों में दिख रहा है। चेन्नई और उसके उपनगरों के कुछ हिस्सों में लोग अभी भी रुके हुए पानी और बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीच राहत व बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। वहीं आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए गुरुवार को तमिलनाडु का दौरा करने वाले हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने भीषण बाढ़ के कारण चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू के सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टियां गुरुवार तक बढ़ा दी हैं। पल्लावरम, तांबरम, वंडालूर, थिरुपोरूर, चेंगलपट्टू और थिरुकाझुकुंड्रम में शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। भीषण बाढ़ के कारण लोगों को दूध, पीने के पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

चेन्नई में बाढ़ के चलते इन सभी चीजों की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। लोगों के बेवजद खरीदारी के चलते भी दैनिक आवश्यक वस्तुओं की कमी का संकट और गहरा गया है। बताया जा रहा है कि चक्रवात से पहले हुई मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में 17 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से ज्यादातर मौतें चेन्नई में हुई है। हालांकि बाढ़ के दौरान बचावकर्मियों ने लोगों को उनके घरों से बाहर निकालने के लिए इन्फ्लेटेबल राफ्ट और रस्सियों का इस्तेमाल किया। जबकि पानी से घिरे लोगों ने जैसे ही मदद की गुहार लगाई, तो लोगों को ऊंचे स्थानों पर ले जाने के लिए नावें उलब्ध कराई गईं।

नेहरु पर बयान देकर शाह ने साबित किया वे भाजपा की व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से पढ़े : गोगोई

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष किया है । लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने कहा कि शाह ने साबित किया हैं कि उन्होंने भाजपा की व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से जवाहरलाल नेहरू पर पीएचडी की है । इस लेकर उन्होंने ट्वीट भी किया । उन्होंने लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने संसद में साबित कर दिया कि उन्होंने बीजेपी व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से पंडित नेहरू पर पीएचडी की है । ये आरएसएस बीजेपी की नई शिक्षा नीति है । पूर्व पीएम नेहरू को लेकर शाह के बयान पर कांग्रेस के लोकसभा मुख्य सचेतक के सुरेश ने कहा कि बुधवार को लोकसभा में शाह ने सदन और देश को गुमराह किया। पंडित नेहरू के योगदान को हर जगह स्वीकार किया जाता है, न केवल हमारे देश में बल्कि पूरी दुनिया में । उनकी नीतियों और निर्णयों को मंजूरी और सहमति दी गई । दरअसल बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने सदन को बताया कि पंडित नेहरू के फैसले बड़ी भूल थे । हमने इस टिप्पणी का कड़ा विरोध किया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी को सत्ता में आए 10 साल हो गए, अटल बिहारी वाजपेयी 6 साल तक सत्ता में रहे। तब, भाजपा को कौन रोक रहा है?...2024 चुनाव से पहले पीओके वापस लो । पूरे भारत का सारा वोट आपको मिलेगा । राजद के मनोज झा ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पत्र पढ़ें, महादेव देसाई के अंतिम चरण को देखें । तुम्हें सब कुछ पता चल जाएगा । मेरा मानना ??है कि अगर आप आज भी नेहरू से इतना डरते हैं, तब आपको नेहरू का मंत्रालय बनाना चाहिए और एक दिन उनके बारे में 12 घंटे लंबी चर्चा करनी चाहिए । हकीकत सामने आ जाएगी ।

भाषाई मामले में भारत देश विश्व में सबसे समृद्ध : कोविन्द

–आईजीएनसीए एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी ने किया भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि भाषाओं के मामले में भारत दुनिया में सबसे समृद्ध देश है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोविन्द ने बच्चों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा, इतनी बड़ी संख्या में भारतीय भाषा के मेधावी छात्रों और भाषा शिक्षकों को देखकर मुझे अत्यंत गौरव की अनुभूति हो रही है। इतना विराट, विशाल वैभवशाली भारत आज मेरे सामने हैं। सचमुच, मुझे यह मिनी भारत का जीता-जागता उदाहरण लग रहा हैं। इस विहंगम दृश्य को देखकर कौन मुग्ध और मोहित नहीं होगा। मुझे इसे बात की खुशी है कि आज माली और फूल एक साथ बैठे हैं। उन्होने कहा कि शिक्षक के रूप में आप सभी गुरुजन माली और शिष्यों के रूप में उपस्थित सभी छात्र फूल हैं। मैं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी द्वारा देश के भविष्य और देश के भविष्य के निर्माताओं को उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु भारतीय भाषा उत्सव आयोजित करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा भारत विविधताओं से भरा देश हैं। भौगोलिक, सांकृतिक, खान-पान, रहन-सहन, आस्था, मान्यताओं की विविधताओं के साथ-साथ भाषाओं के मामले में भारत विश्व में सबसे धनी है। उन्होंने कहा कि हमारे व्यक्तित्व के निर्माण में भाषा की महत्तवपूर्ण भूमिका होती है। सचमुच भाषा हमें गढ़ती हैं और अपनी मिट्टी से जोड़ने का काम भी करती है। भारत केवल प्राचीन सभ्यता के लिए ही नहीं, अपितु अपनी संस्कृति और भाषाई संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा, मैं सभी बच्चों से कहना चाहूंगा की वह अपनी मातृभाषा के अलावा और भी भाषाएं सीखें, जिससे आप भारत के समृद्ध इतिहास को जान सकेंगे।

कार्यक्रम में संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो वह कोई भाषा नहीं जानता। वह सबसे पहली भाषा वही सीखता है, जो उसकी मां उसे सिखाती हैं। इसीलिए उसे मातृभाषा की संज्ञा दी गई है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि भारतीय भाषाओं को लेकर यह अब तक का सबसे महत्त्वपूर्ण आयोजन है। आज इस सभागार में वे सभी विद्यार्थी उपस्थित हैं, जिन्होंने भारतीय भाषाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से बहुत से विद्यार्थी ऐसे भी हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस दौरान भारतीय भाषाओं में उच्चांक प्राप्त बच्चों तथा उनके शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

मिशन 2040: अब इंसान को चांद की सैर कराने जा रहा इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (इसरो) पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुका है। यहां तक की अमेरिकी अतंरिक्ष एजेंसी नासा भी इसरो के साथ काम करने को लालयित रही है। अब दोनो मिलकर स्पेश के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारियां जुटाने पर काम कर रहे हैं। आने वाले समय में भारत के लोगों को चंद्रमा की सैर करने का मौका मिलेगा। अंतरिक्ष में एक और तकनीकी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को बधाई दी है। चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल ने एक सफल चक्कर लगाया। एक अन्य अनूठे प्रयोग में प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया गया है। इस उपलब्धि के बारे में इसरो के एक्स पोस्ट का जवाब देते हुए, प्रधान मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया,बधाई हो इसरो। हमारे भविष्य के अंतरिक्ष प्रयासों में हासिल की गई एक और तकनीकी उपलब्धि में 2040 तक चंद्रमा पर एक भारतीय को भेजने का हमारा लक्ष्य भी शामिल है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा, एक और अनूठे प्रयोग में, विक्रम लैंडर पर हॉप प्रयोग की तरह, चंद्रयान -3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को चंद्रमा के चारों ओर एक कक्षा से पृथ्वी के चारों ओर एक कक्षा में ले जाया गया। इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया कि चंद्रयान-3 मिशन-सीएच-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) एक सफल चक्कर लगाता है! एक अन्य अनूठे प्रयोग में, पीएम को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया जाता है। चंद्रयान -3 मिशन का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास एक नरम लैंडिंग का प्रदर्शन करना और विक्रम और प्रज्ञान पर उपकरणों का उपयोग करके प्रयोग करना था। 23 अगस्त को, विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर अपनी ऐतिहासिक लैंडिंग की और उसके बाद प्रज्ञान रोवर को तैनात किया गया। लैंडर और रोवर में वैज्ञानिक उपकरणों को निर्धारित मिशन जीवन के अनुसार 1 चंद्र दिवस तक लगातार संचालित किया गया।

महिला सुरक्षा में नाकाम भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार: कुमारी सैलजा

–राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार में सतासीन लोग बराबर के भागीदार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में भ्रष्टाचार नए रिकॉर्ड बना रही है। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा के खिलाफ बढ़ रही दुष्कर्म समेत आपराधिक घटनाएं इसका प्रमाण है।

सैलजा ने कहा कि भ्रष्टाचार आरोपियों को पकडने के मामले में हरियाणा देश में छठे नंबर पर है। अगर भ्रष्टाचार कम होता तो भ्रष्टाचारियों को पकडने की घटनाएं बढने की बजाय कम होती। राज्य सरकार मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी ने साल 2022 में घटे अपराधों को लेकर रिपोर्ट जारी की है। इसमें हरियाणा में बढ़ती घटनाएं हर किसी को चौंका सकती हैं। इस रिपोर्ट के अध्ययन से साफ है कि प्रदेश में कानून का राज नहीं है, बल्कि यहां पर अपराधियों को खौफ लोगों के बीच बढ़ रहा है। खास तौर पर ऐसे अपराध में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे हर आम आदमी सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर भयभीत होने लगता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक ही साल में कर्मचारियों व अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के 246 मामले दर्ज होने से पता चलता है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार किस स्तर पर पहुंच चुका है। भाजपा के साल 2014 में सत्ता संभालने के बाद से तमाम महकमों में रिश्वत के बढ़ते रेट भी इस बात का सबूत हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले करनाल से ही बार-बार भ्रष्टाचार के मामले सामने आने से साफ है कि इनका कनेक्शन सत्ता में बैठे लोगों तक जिसमें वे बराबर के भागीदार हैं।

सुखदेव गोगामेड़ी पर भारी पड़ी लॉरेंस-आनंदपाल की दुश्मनी, कर दी हत्या

–मिलने के बहाने पहुंचे थे शूटर, लगातार 17 राउंड फायरिंग हुई थी

जयपुर (एजेंसी)। सुखदेव गोगामेड़ी पर लॉरेंस-आनंदपाल की दुश्मनी भारी पड़ गई। राजस्थान में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड़ में लारेंस विश्नोई गैंग से पुरानी अदावत होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बिश्नोई गैंग गोगामेड़ी को लंबे समय से अपना दुश्मन मानता था। गैंग के बड़े लीडर संपत नेहरा ने पहले ही धमकी में ये साफ कर दिया था कि गोगामेड़ी की हत्या होगी। दरअसल इस गैंग को ये लग रहा था कि गोगामेड़ी दूसरे गैंग के गैंगस्टर्स की मदद करते हैं। राजस्थान में जो गैंग अपराध को अंजाम दे रहे हैं उनके लिए खास बात यही है कि जो भी विरोधी गैंग को कोई सपोर्ट कर रहा है तो ये उसे अपना दुश्मन मान लेते हैं। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के केस में यही हुआ। जानकार बता रहे हैं कि सुखदेव सिंह का विवादों से पुराना नात रहा है। उन पर विभिन्न थानों में 35 केस दर्ज है। सुखदेव सिंह गुर्जर समाज पर पर भी प्रतिकूल टिप्पणियां कर सुर्खियों में रहे है।

आनंदपाल सिंह और विश्नोई गैंग के बीच पुरानी दुश्मनी थी। विश्नोई गैंग को आनंदपाल सिंह और सुखदेव सिंह की दोस्ती पंसद नहीं थी। आनंदपाल की हत्या के बाद दुश्मनी की लकीर और बढ़ गई, और मौका मिलते ही सुखदेव सिंह की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि करणी सेना के प्रमुख बनने के बाद वो अक्सर चर्चा में रहे, लेकिन साथ ही उनके दुश्मन भी बनने लगे। कुछ समय पहले सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से धमकी मिली थी। एक बार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर संपत नेहरा ने गोगामेड़ी को जान से मारने की बात कही थी। करणी सेना प्रमुख ने पुलिस को इस बारे में जानकारी भी दी थी, लेकिन तब ये नहीं पता था कि दुश्मनी इस कदर बड़ी हो जाएगी कि हत्या तक कर दी जाएगी। गौरतलब है कि दोपहर करीब एक बजे सुखदेव सिंह अपने घर पर ही थे।

उनके एक जानने वाले नवीन शेखावत ने उनसे मिलने का वक्त मांगा था। नवीन शेखावत अपने साथ दो लोगों को को लेकर आए थे। इन दो लोगों ने सुखदेव सिंह से मिलने की इच्छा जताई थी। चारों बैठे बातें कर रहे थे, तभी दोनों लड़कों ने अपनी जेब से पिस्टल निकाल ली और सीधा सुखदेव सिंह पर गोली चला दी। नवीन शेखावत समझ ही नहीं पाए ये क्या हुआ। उन्होंने विरोध किया तो उन पर भी गोलियां चला दी। 17 राउंड फायरिंग हुई और फिर दोनों फरार हो गए। पुलिस की जांच अभी शुरू भी नहीं हुई थी कि बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ले ली। बिश्नोई गैंग ने जो धमकी दी थी उसे पूरा कर दिया था। बिश्नोई गैंग के एक गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया के जरिए हत्या के बाद ये मैसेज दिया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुकेश अंबानी, सचिन तेंदुलकर और रामायण के राम-सीता होंगे शामिल

झज्जर (एजेंसी)। अयोध्या(ईएमएस)। आने वाली 22 जनवरी को वो समय आ रहा है जिसका करीब 5 सौ सालों से इंतजार किया जा रहा था। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी पहली आरती करेंगे। इस मौके पर उद्योगपति मुकेश अंबानी,क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और रामायण के राम (अरुण गोविल) और सीता (दीपिका चिखालिया) विशेष रुप से मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पहले ही आमंत्रित किया जा चुका है। ट्रस्ट ने 3000 वीवीआईपी सहित 7,000 लोगों को आमंत्रण भेजा है। कार्यक्रम में 1992 में मारे गए कारसेवकों के परिवारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। आमंत्रित वीवीआईपी लोगों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत, योग गुरु राम देव, उद्योगपति रतन टाटा, उद्योगपति गौतम अडाणी भी शामिल हैं। ट्रस्ट ने देशभर से 4000 संतों को भी आमंत्रित किया है जो राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद रहेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और उद्योगपति मुकेश अंबानी सहित करीब सात हजार लोगों को राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया है। ट्रस्ट के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक 'रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल (भगवान राम) और देवी सीता की भूमिका निभाने वाली दीपिका चिखलिया को भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ''प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि बुलाने का प्रयास है। आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले 50 कारसेवक परिवारों के लोगों को भी आमंत्रित किया गया है।उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों, वैज्ञानिकों, लेखकों और कवियों को भी आमंत्रण पत्र भेजा गया हैं। राय ने बताया कि इसके अलावा संतों, पुजारियों, शंकराचार्यों, धार्मिक नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, वकीलों, संगीतकारों और पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता शरद शर्मा ने कहा, ''हमने उन पत्रकारों को भी आमंत्रित किया है, जिन्होंने अपने समाचार पत्रों, लेखों और रिपोर्टिंग के माध्यम से हमारे राम मंदिर आंदोलन का समर्थन किया था, उनके (पत्रकारों के) बिना, राम मंदिर का यह संघर्ष अधूरा था। शर्मा ने बताया कि वीवीआईपी को बार कोड पास के जरिए प्रवेश मिलेगा। आमंत्रित 7000 लोगों में से लगभग 4,000 देश भर से आए धार्मिक नेता होंगे। बाकी 3000 विभिन्न क्षेत्रों के वीवीआईपी होंगे। समारोह से पहले आमंत्रित लोगों के साथ एक लिंक साझा किया जाएगा।एक बार जब वे लिंक के साथ पंजीकृत हो जाएंगे, तो कोड उत्पन्न होगा जो प्रवेश पास के रूप में कार्य करेगा।

निमंत्रण पत्र में लिखा है, ''आपको विदित ही हैं कि लंबे संघर्ष के पश्चात, श्री राम

जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पौष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2080, सोमवार (22 जनवरी 2024)को गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी । हमारी प्रबल इच्छा है कि आप इस पुनीत अवसर पर अयोध्या में उपस्थित रहकर प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी बनें और इस महान ऐतिहासिक दिन की गरिमा को बढ़ाएं। निमंत्रण पर राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के हस्ताक्षर हैं। राय ने कहा, ''राम मंदिर में रामलला पांच साल के बालक के रूप में विराजमान होंगे। इसके लिए दो चट्टानों से तीन मूर्तियां बनाई जा रही हैं जिनमें से एक चट्टान कर्नाटक से दूसरी राजस्थान से लाई गई है। उन्होंने कहा, ''मूर्तियां 90 प्रतिशत तैयार हैं और उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राण-प्रतिष्ठा के लिए सबसे आकर्षक मूर्ति का चयन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

एथर इंडस्ट्रीज अग्निकांड में फोरेंसिक रिपोर्ट को छोड़कर सभी जांच पूरी

सचिन एथर इंडस्ट्रीज में आठ मजदूर हादसे का शिकार हुए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन जीआईडीसी के एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हुई घटना के संबंध में सूरत के जिला कलेक्टर द्वारा गठित जांच समिति से लेकर सभी टीमों की जांच पूरी हो चुकी है। केवल फोरेंसिक विभाग की रिपोर्ट लंबित है। इस स्तर पर भी यह घटना कैसे घटी? वह कारण सामने नहीं आया है।

कलेक्टर द्वारा बनाई गई संयुक्त जांच कमेटी की जांच पूरी लेकिन हादसा कैसे हुआ? सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया

सचिन जीआईडीसी की एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड में भीषण आग लगने से आठ कर्मचारियों की मौत हो गई है। वहीं करीब २७ का इलाज चल रहा है। यह घटना कैसे घटी और क्या कारण है? इसका पता लगाने के लिए सूरत जिला कलेक्टर ने जीपीसीबी, नगरनिगम अग्निशमन विभाग, सचिन जीआईडीसी पुलिस इंस्पेक्टर, एफएसएल और इलेक्ट्रिक और फैक्ट्री इंस्पेक्टर की एक संयुक्त टीम को जांच के लिए नियुक्त किया। इस टीम में से एफएसएल को छोड़कर सभी टीमों ने जांच पूरी कर ली है।

सूत्रों के मुताबिक हालांकि एफएसएल ने घटना स्थल से नमूने लेकर जांच पूरी कर ली है कि आग किस कारण से लगी है। वहीं, आग लगने के कारण समेत प्रारंभिक या पूरी रिपोर्ट कमेटी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गयी है। इसलिए एफएसएल रिपोर्ट कितने समय में कलेक्टर को प्रस्तुत की जाती है उस का इंतजार है।

अभवा में परिवार पर हुए हमले के बाद आरोपी पकड़ से बाहर

कार के साइड ग्लास में चोट लगने के बाद अधेड़ उम्र के नेवी मर्चेंटमैन, उनकी पत्नी, बेटे और भतीजे पर हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। तीन दिन पहले अभवा में मामूली बात पर अधेड़ उम्र के नेवीमर्चेंट मेन और उसके परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल परिवार के सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरे मामले में डुमस पुलिस में हमलावरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि तीन दिन बाद भी पता चला है कि हमलावर पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

अभावा गांव गणेश पालिया में रहने वाले ५२ वर्षीय संजयभाई अमृतभाई पटेल नेवी मर्चेंट के रूप में कार्यरत हैं। पिछले ३ दिसंबर को उसकी पत्नी घर के आंगन में झाड़ु लगा रही थी और वह कार पार्क कर रहा था। इसी बीच उनके घर के पीछे रहने वाले मनोज मोहनभाई पटेल आए और संजयभाई की पत्नी के साथ गाली गलोच करने लगा।

कार के साइड ग्लास को टक्कर लगने जैसी मामूली बात पर

मनोज गाली गलोच कर रहा था तभी संजयभाई ने कहा कि गाली क्यो दे रहे हो इतना कहने पर मनोज आवेश में आ गया। इसके बाद उनके भाई दिनेश, नानजी, चिराग पटेल और मोहन पटेल ने भी संजयभाई, उनकी पत्नी, बेटे और भतीजे पर धारिया और लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया।

संजयभाई गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में संजयभाई ने डुमस पुलिस के समक्ष शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि, शिकायत के बाद भी पुलिस हमलावरों तक नहीं पहुंच पाई है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से डुमस पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गये हैं।

करणी सेना प्रमुख की हत्या का विरोध जारी, हत्यारे को जल्द पकड़कर मौत की सजा देने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजस्थान में करणी सेना प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई है। इस हत्या का गहरा असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। बुधवार को सूरत में कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित होकर करनी सेना के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन दिया था। गुरुवार को पांडेसरा इलाके के पीयूष प्वाइंट पर राजपूत समुदाय की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया।

पांडेसरा पीयूष पॉइंट के पास राजपूत समुदाय द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। राजस्थान में नृशंस हत्याओं का पुरजोर विरोध किया गया।

राजस्थान प्रशासन से हत्यारों को शीघ्र पकड़कर फांसी की सजा देने की मांग की गई।

राजपूत समाज के लोग भगवा ध्वज के साथ नारे लगाते हुए चल रहे थे। मांग की गई है कि हत्यारों को फांसी से कम सजा नहीं दी जाए। राजपूत समाज के युवाओं और नेताओं ने उग्र विरोध प्रदर्शन किया।

वीएनएसजीयू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन शुरू किया

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ने आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन परीक्षाओं में ५०-५० अंक अनिवार्य किए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र २०२३-२४ के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन शुरूकर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नियमों के अनुसार, जिसमें आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन परीक्षा में ५०-५० अंक अनिवार्य कर दिए गए हैं। अब तक की शिक्षा नीति के अनुसार, छात्रों को आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन परीक्षा के योग के आधार पर उत्तीर्ण किया जाता था। लेकिन नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, अब छात्र को परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करना आवश्यक है। यदि छात्र ये अंक लाने में असफल रहता है तो ऐसे छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के चांसलर किशोर सिंह चावड़ा के अनुसार, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक क्षेत्र ने २०२३-२४ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार पहले सेमेस्टर से इसका कार्यान्वयन शुरू कर दिया है। जिसमें ५० प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन और ५० प्रतिशत बाह्य मूल्यांकन अनिवार्य किया गया है। अब से आंतरिक मूल्यांकन में अधिक से अधिक अंक लाना जरूरी है। इसी प्रकार बाह्य मूल्यांकन परीक्षा में भी समान अंक प्राप्त करना आवश्यक है। अब तक बाह्य मूल्यांकन और आंतरिक मूल्यांकन के योग के आधार पर उस विषय में उत्तीर्ण होने वाले छात्र को उत्तीर्ण किया जाता था, लेकिन अब आंतरिक मूल्यांकन में भी उस विषय में अधिकतम अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

यदि छात्र ऐसा करने में असफल रहता है तो छात्र को आंतरिक मूल्यांकन में भी अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा। ऐसे उत्तीर्ण छात्रों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। इतना ही नहीं, छात्र को यूनिवर्सिटी परीक्षा फॉर्म भी दोबारा भरना होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के साथ ही अब छात्रों को सभी विषयों का आंतरिक मूल्यांकन अनिवार्य रूप से पास करना होगा। जिन छात्रों को उस कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आवश्यक प्रदर्शन देना होता है। गौरतलब है कि वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी ने नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन शुरूकर दिया है

घर के पास खेल रही बच्ची पर हमला, कुत्ते ने गाल में गड़ा दिए दांत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में ६ साल की बच्ची के गाल पर कुत्ते ने काट लिया। आँगन में खेल रही एक बच्ची को आवारा कुत्ते द्वारा काटने पर भय का माहौल नजर आया। बेटी के रोने की आवाज सूनकर परिजनों ने बेटी को बचाया, बाद में कुत्ता पूरी सोसायटी के लोगों पर हमला करने दौड़ा। हालाँकि, लड़की को तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया।

लिंबायत इलाके के सुभाषनगर में जफर मजीद मंसूर अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां हैं। जफ़र अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए ऑटो रिक्शा चला रहा है। बच्ची के पिता जफर मजीद मंसूर ने बताया कि ६ साल की शामिया घर के बाहर आंगन में दूसरे बच्चों के दोस्तों के साथ खेल रही थी। सोसायटी में अचानक एक आवारा कुत्ता आ गया। बच्चों को खेलते देख कुत्तों ने सॉफ्ट टारगेट की तरह शामिया पर हमला कर दिया और गाल पर काट लिया। जिससे शामिया की चिल्लाने और रोने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग दौड़ पड़े। कुत्ते के मुंह में फंसी

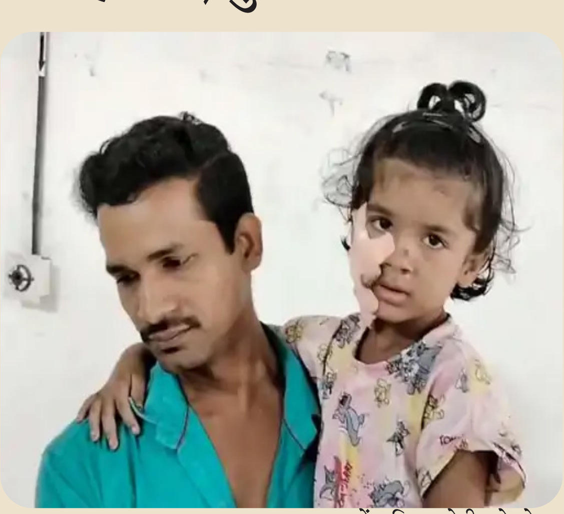

कुत्ते के मुंह से बेटी को छुड़ाया तो पुरी सोसायटी के लोगों के पिछे दौडा कुत्ता

बेटी को काफी मशक्कत के बाद निकाला गया। लहूलुहान हालत में परिजन बेटी को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे।

कुत्ते ने बेटी के गाल में दांत गड़ा दिए थे।

हालाँकि, किसी अन्य स्थान पर काटा नहीं था। समय रहते बेटी को बचाकर जान बचा ली गई। तुरंत नजदीकी डॉक्टर के पास ले जाने पर उसे सिविल अस्पताल में रिफर किया गया। सिविल ट्रोमा सेंटर के डॉक्टरों ने उम्मीद जताई कि सर्जरी करनी पड़ेगी। इसलिए उसे सर्जरी विभाग में ले जाया गया।

बच्ची के पिता ने आगे कहा कि घटना के बाद भी कुत्ता पूरी सोसायटी में बच्चों का पीछा कर रहा था। मेरी भाभी भी बच गईं।

कुत्तों के बढ़ते मामलों को लेकर अब नगर निगम से शिकायत करूंगा। मैं सबसे पहले अपनी बेटी का इलाज कराने आया हूं।' अब उसके बाद शिकायत करने जा जाऊंगा।

घर में आग लगने से झुलसे पांच लोगों में से ३ साल की बच्ची की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बार बार आग लगने की घटनाएं होती हैं। बीते १४ नवंबर को सचिन इलाके में एक घर में आग लगी थी। इस आग में एक ही परिवार के पांच सदस्य गंभीर रूप से झुलस गये थे। उसी समय लड़की के माता-पिता की मृत्यु हो गई। इलाज के दौरान आज एक ३ साल की बच्ची की भी मौत हो गई।

सचिन के घर में १४ नवंबर को आग लगने से एक ही परिवार के पांच सदस्य झुलस गए थे। इस अगलगी की घटना में तीन बच्चों समेत कुल पांच लोग गंभीर रूप से झुलसे थे जिसमें से दो लोगों की उसी दिन मौत हो गई। जबकि ३ बच्चों को

२२ दिन पहले हुई घटना में उसी दिन माता-पिता की मौत हो चुकी है, अभी और दो बच्चे चिकित्सा ले रहे है

इलाज के लिए शिफ्ट किया गया था। तीन बच्चों में से एक ३ वर्षीय लड़की की आज चिकित्सा के दौरान मृत्यु हो गई।

यह घटना सचिन स्थित साईनाथ सोसायटी में घटी थी। दूध गर्म करने जाते समय घर में आग लगी थी। अनुमान लगाया गया कि गैस बोतल से रिसाव हुआ है।

तीन बच्चों में से एक तीन वर्षीय अल्ताफ, चार साल का अलतमस आज भी चिकित्सारत है जबकी तीन वर्षीय शहजादी की चिकित्सा के दौरान मौत हो गई।

स्वामी नारायण इंस्टीट्यूट के ट्रस्टी ज्वलंत त्रिवेदी ने चैंबर ऑफ कॉमर्स का दौरा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : न्यूजर्सी स्थित स्वामी नारायण संस्थान के एक ट्रस्टी ने मिशन ८४ के साथ ३,००० से अधिक व्यवसायी सदस्यों को जोड़ने का वादा किया है।

अमेरिका के न्यूजर्सी स्थित स्वामी नारायण संस्था के ट्रस्टी ज्वलन्त त्रिवेदी ने दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का दौरा किया। उन्होंने चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया, उपाध्यक्ष विजय मेवावाला, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला, मानद मंत्री निखिल मद्रासी और मानद कोषाध्यक्ष किरण थुम्मर के साथ बैठक की। जिसमें चैंबर अध्यक्ष ने उनके समक्ष एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दक्षिण गुजरात के व्यापार और उद्योग के विकास के उद्देश्य से पिछले ८४ वर्षों से की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चैंबर अध्यक्ष रमेश वघासिया ने न्यू जर्सी स्थित स्वामी नारायण इंस्टीट्यूट के ट्रस्टी ज्वलंत त्रिवेदी को मिशन ८४ के बारे में जानकारी दी और कहा कि भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मिशन ८४ प्रोजेक्ट के तहत एक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मंच बनाया है, जिसके साथ ८४,००० व्यापारी जुड़े हैं। भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कारोबार करने वाले ८४,००० कारोबारियों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह भारत के ८४ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और दुनिया के ८४ देशों के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स को भी इस ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए बैठकें हो रही हैं। इसके अलावा, भारत में कार्यरत ८४ देशों के महावाणिज्य दूतों और दुनिया के ८४ देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूतों को भी इस पोर्टल पर जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों से अनुरोध किया कि वे अमेरिका के न्यूजर्सी में उनके संगठन से जुड़े व्यापारियों से जुड़ने का प्रयास करें। ताकि सूरत के उद्योगपति और व्यापारी अपने उत्पादों को न्यूजर्सी के व्यापारियों को निर्यात कर सकें और इसके माध्यम से अपने व्यवसाय को बेहतर तरीके से विस्तारित कर सकें।

सूरत में पैदा हुए ज्वलंत त्रिवेदी मिशन ८४ परियोजना से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने चैंबर अध्यक्ष को इस परियोजना में अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों के लिए और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बहुत उपयोगी है, इसलिए उन्होंने इसके शीघ्र और कुशल कार्यान्वयन का आग्रह किया।उन्होंने अमेरिका में न्यूजर्सी स्थित स्वामी नारायण संस्थान के ३००० बिजनेसमैन सदस्यों को मिशन ८४ के ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पोर्टल पर जोड़ने और उन्हें सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों से जोड़ने का प्रयास करने का भी आश्वासन दिया।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के कारोबारी और भारत के कारोबारी भारत के साथ कारोबार करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। चूंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए उन्हें भारत से जोड़ने के लिए मिशन ८४ जैसा कोई मंच उपलब्ध नहीं था। अब इस प्लेटफॉर्म के लॉन्च होने से इसमें कोई शक नहीं है कि अमेरिका से कई ऐसे बिजनेसमैन जुड़ेंगे जो भारत से प्यार करते हैं और भारत के विकास में रुचि रखते हैं।

इसके अलावा, उन्होंने सूरत इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर और सरसाणा स्थित प्लेटिनम हॉल सहित चैंबर ऑफ कॉमर्स के बुनियादी ढांचे का भी दौरा किया और चैंबर की गतिविधियों के अलावा चैंबर के व्यवसायी सदस्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

बेसमेंट में बने एक फर्नीचर शोरूम को सील कर दिया गया

लिखित सूचना के बावजूद संचालन न करने पर कार्रवाई की गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले कुछ दिनों से अग्नि सुरक्षा को लेकर मनपा फायर ब्रिगेड की ओर से सख्ती बरती जा रही है। हालाँकि, कई लोग फायर सेफ्टी के प्रति उदासीनता दिखा रहे हैं। जिसके विरुद्ध नगर निगम की फायर ब्रिगेड द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। आनंदमहल रोड स्थित ट्रिनिटी फर्नीचर के शो रूम को सील कर दिया।

आनंद महल रोड स्थित ट्रिनिटी फर्नीचर को अग्निशमन विभाग ने सील कर दिया। ट्रिनिटी फ़र्निचर खतरनाक तरीके से बेसमेंट

के नीचे स्थित था और उसे बंद करने के लिए एक लिखित सूचना दी गई थी। उसके बावजुद संचालक ने इस शो रूम को खाली न करने और शिफ्ट न करने पर दमकल विभाग ने सीलींग की कार्यवाही की है।

बिल्डिंग के बेसमेंट में स्थित ट्रिनिटी फर्नीचर के शो रूम को सूरत फायर डिपार्टमेंट ने सील कर दिया है। जब तक फर्नीचर की दुकान शिफ्ट नहीं हो जाती, फायर ब्रिगेड सील नहीं खोलेगी।